दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 84
कोटद्वार बुधवार
19 जुलाई 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है,
अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

राम मंदिर की खास बात: एक साथ डेढ़ लाख श्रद्धालु कर सकेंगे परिक्रमा

अयोध्या, एजेंसी। रामजन्मभूमि में राममंदिर का 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मंदिर का भूतल बनकर तैयार है, अब फर्श निर्माण की तैयारी चल रही है। राममंदिर में एक साथ डेढ़ लाख श्रद्धालु परिक्रमा कर सकेंगे। इसके लिए मंदिर की परिधि में 800 मीटर लंबे परकोटे के साथ 200 मीटर लंबी टनल का भी निर्माण कराया जा रहा है।मंदिर के चारों ओर आठ एकड़ की परिधि में भूतल से 48 फीट उंचे परकोटे का भी निर्माण जारी है। यह मंदिर की सुरक्षा के लिहाज से अहम होगा। वहीं मंदिर की पूरब दिशा में 200 मीटर लंबे टनल का भी निर्माण किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह देश का पहला ऐसा मंदिर होगा, जिसके मुख्य द्वार के नीचे से होकर श्रद्धालु निकास द्वार तक पहुंचेंगे। सिंहद्वार से पहले गोपुरम का भी निर्माण कराया जाना है। गोपुरम परकोटे का प्रवेश द्वार होगा जबकि सिंहद्वार मंदिर का प्रवेश द्वार होगा। परकोटे से होकर मंदिर तक श्रद्धालुओं को आना होगा।बताया गया कि प्रमुख अवसरों रामनवमी, सावन मेला, कार्तिक मेला आदि में राममंदिर में करीब एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में पूजा के दौरान जो दर्शनार्थी परिक्रमा करेंगे और परकोटे में जाएंगें उनके बीच कोई टकराव न हो इसके लिए टनल का निर्माण कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं को सिंहद्वार से प्रवेश देते हुए भीड़ अधिक होने की स्थिति में इसी टनल से बाहर निकाला जाएगा।

नकारात्मकता के साथ बने गठबंधन कभी भी सफल नहीं हो पाए: पीएम

एनडीए की बैठक में पीएम मोदी का विपक्ष पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। एनडीए के घटक दलों के साथ मंगलवार को हुई बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। बैठक के बाद पीएम मोदी ने विपक्ष पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब गठबंधन सत्ता की मजबूरी से होता है, जब गठबंधन भ्रष्टाचार के इरादे से हो, जब गठबंधन परिवारवाद की नीति पर आधारित हो, जब गठबंधन जातिवाद और क्षेत्रवाद को ध्यान में रखकर किया जाता है तो वह गठबंधन देश को बहुत नुकसान पहुंचाता है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के 25 वर्षों की इस यात्रा के साथ एक और संयोग जुड़ा है। ये वह समय है, जब हमारा देश आने

वाले 25 वर्षों में एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कदम बढ़ा रहा है। ये लक्ष्य विकसित भारत का है, आत्मनिर्भर भारत का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक तरह से एनडीए अटल जी की एक ओर विरासत है, जो हमें जोड़े हुए है। एनडीए के निर्माण में आडवाणी जी ने भी बहुत अहम भूमिका निभाई थी और वो आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में एनडीए के गठन के 25 साल पूरे हुए हैं। ये 25 वर्ष देश की प्रगति को गति देने और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राज्यों के विकास से देश का विकास, इस मंत्र के साथ एनडीए ने हमेशा काम किया है। मैं नए साथियों का हृदय का स्वागत करता हूं। एनडीए के 25 वर्षों की यात्रा के साथ एक और सुखद संयाग जुड़ा है। यह वह समय है , जब हमारा देश आने वाले 25 साल के लिए बड़े लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। यह लक्ष्य विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत का है। इस अहम कालखंड में एनडीए की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि एनडीए का मतलब है एन-न्यू इंडिया, डी-विकसित राष्ट्र, ए- लोगों की आकांक्षा। आज युवा, महिलाएं, मध्यम वर्ग, दलित और वंचितों को ठऊअ पर भरोसा है। सभी का विश्वास एनडीए पर है। अर्थशास्त्री से लेकर कई अहम लोग भी यही मानते हैं। सरकारें बहुमत से बनता है, लेकिन देश सबके प्रयास से चलता है। ऐसे में एनडीए सबके प्रयास के साथ आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में राजनीतिक गठबंधनों की एक लंबी परंपरा रही है, लेकिन जो भी गठबंधन नकरात्मकता के साथ बने वह कभी भी सफल नहीं हो पाए। कांग्रेस ने 90 के दशक में देश में अस्थिरता लाने के लिए गठबंधनों का इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने सरकारें बनाईं और सरकारें बिगाड़ीं। उन्होंने कहा कि 1988 में ठऊअ का गठन हुआ था, लेकिन सिर्फ सरकारें बनाना और सत्ता हासिल करना एनडीए का लक्ष्य नहीं था। एनडीएकिसी के विरोध में नहीं बना था, एनडीए किसी को सत्ता से हटाने के लिए नहीं बना था। एनडीए का गठन देश में स्थिरता लाने के लिए हुआ था।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर करारा हमला करते हुए कहा कि जब हम विपक्ष में थे, तब भी हमने हमेशा सकारात्मक राजनीति की। हमने कभी जनादेश का अपमान नहीं किया।

हर चुनौती से निपटने के लिए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखें : धामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय स्थित आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम से प्रदेश में हो रही अतिवृष्टि की जानकारी ली। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों से फोन पर वार्ता कर निर्देश दिए कि हर चुनौती का सामना करने के लिए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा जाय। मुख्यमंत्री ने सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ द्वारा तैनात की गई फोर्स के बारे में भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों को शीघ्र राहत मिले इसके लिए पूरी तैयारी रखी जाए। जनपदों में खाद्य सामग्री, आवश्यक दवाइयों एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पूरी व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्षा के कारण सड़क, विद्युत, पेयजल व्यवस्थाएं बाधित होने की दशा में सभी व्यवस्थाएं संबंधित विभागों से तत्काल सुचारू की जाय। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन को लक्सर, खानपुर एवं प्रदेश के अन्य ऐसे स्थानों जहां पर कम बरसात के बावजूद भी जलभराव की समस्याएं आ रही हैं, ऐसे स्थानों के लिए ड्रेनेज की उचित व्यवस्था हो, इसके लिए दीर्घकालिक प्लान बनाने को कहा। सभी जिलाधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं, ताकि जनपदों में कुछ भी आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा, अपर सचिव सविन बंसल, एसीईओ आपदा प्रबंधन रिद्धिम अग्रवाल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भीमगौड़ा बैराज का गेट टूटने से किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं जनपद हरिद्वार के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि भीमगौड़ा बैराज के गेट टूटने से किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। बरसात होने के साथ-साथ पानी की निकासी लगातार हो रही है। गेट को ठीक करने के लिए मैंने उत्तर प्रदेश के जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से भी कहा है। उन्होंने कहा कि मानसून अवधि में हो रही भारी वर्षा के कारण अभी तक 274 मार्ग बंद थे, जिसमें से 37 मार्ग खोले जा चुके हैं तथा शेष 237 मार्गों को खोलने हेतु 213 जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। अधिकतर मार्गों को कल तक खोल दिया जायेगा।

कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार जनपद प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज भीमगौड़ा बैराज का निरीक्षण करते हुए।

बंद 274 मोटर मार्ग में से 37 मार्ग खोले, शेष 237 मार्ग बुधवार तक खुल जाएंगें

जनपद हरिद्वार के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को भीमगौड़ा बैराज (हरिद्वार) का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ-साथ रोशनाबाद-बिहारीगढ़ मोटर मार्ग पर अनेकी के पास क्षतिग्रस्त सेतु का भी स्थलीय निरीक्षण किया। भीमगौड़ा बैराज (हरिद्वार) के स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि भीमगौड़ा बैराज का गेट टूटने से किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। बरसात होने के साथ-साथ पानी की निकासी लगातार हो रही है। गेट को ठीक करने के लिए श्री महाराज ने उत्तर प्रदेश के जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को लिखे पत्र में कहा है कि 16 जुलाई को रात्रि में भीमगौड़ा बैराज का गेट नंबर 10 का रस्सा टूट गया है, जिससे बैराज के परिचालन एवं संचालन में कठिनाई होने से गंग नहर में पानी डायवर्ट करने एवं बाढ़ नियंत्रण में भारी कठिनाई उत्पन्न हो रही है। इसलिए इसको यथाशीघ्र ठीक कराया जाना जरुरी है। लोक निर्माण मंत्री श्री महाराज ने 13 जुलाई को हुई अतिवृष्टि के कारण रोशनाबाद-बिहारीगढ़ मार्ग पर स्थित अनेकी नामक स्थान पर धसे बाक्स सेतु का निरीक्षण करते हुए कहा कि सेतु को यातायात हेतु बन्द कर क्षतिग्रस्त भाग पर वैली ब्रिज लगाने हेतु कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

मालन नदी पर वैली ब्रिज लगाने हेतु कार्य शुरू

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि 13 जुलाई को कोटद्वार क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि के कारण मालन नदी पर निर्मित सेतु के पियर नंबर 09 में झुकाव आने के कारण सेतु का एक पैनल क्षतिग्रस्त होने के कारण यातायात बन्द है। वैकल्पिक मार्ग के रूप में कण्वाश्रम-मवाकोट-डिग्री कॉलेज होते हुए हल्का वाहन हेतु मार्ग सुचारू है। सेतु के डाउन स्ट्रीम में पूर्व कंडी मार्ग को भारी वाहन हेतु मालन नदी में हयूम पाईप डालकर मार्ग को तीन सप्ताह के अन्दर यातायात हेतु खोल दिया जायेगा। मालन नदी पर वैली ब्रिज लगाने हेतु कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION
B.H.M. 4 Years
B.Sc. IT 3 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
C.H.M. 1 Year
• Attractive Scholarships
• Industrial Tour
• Value Added Courses @ 0% cost
• Internship in Leading Companies
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

खाद्य सुरक्षा विभाग ने की छापेमारी, 15 सैंपल जांच को भेजे

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद के प्रमुख व धार्मिक पर्यटक स्थल श्री तुंगनाथ पंचकेदार के मुख्य यात्रा पड़ाव चोपता व उसके आस-पास में स्थित ढाबों, रेस्टोंरेंटों व टैंट कॉलोनी रेस्टोंरेंटों का खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा औचक निरीक्षक किया गया। निरीक्षण के दौरान उक्त प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई एवं गुणवत्ता का परीक्षण कर रसोईघर में मौजूद अवयवों बेसन, नमक, दूध आदि सहित पके खाद्य पदार्थ दाल व चावल के 15 खाद्य नमूने एकत्रित कर राज्य खाद्य एवं औषधि विश्लेषणशाला रुद्रपुर भेजे गए। जिनकी जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। अभिहीत अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि उनके साथ जनपद हेतु तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी नंदकिशोर द्वारा दुगलबिट्टा, बनियाकुंड, पड़पड़िया व चोपता में स्थित प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 15 खाद्य नमूने एकत्रित कर राज्य खाद्य एवं औषधि विश्लेषणशाला रुद्रपुर भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा इस माह यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ावों पर तेल, दूध, बेसन, आटा, सॉश, जूस और पके दाल चावलों के कुल 31 खाद्य नमूने भरकर राज्य खाद्य एवं औषधि विश्लेषणशाला रुद्रपुर को भेजे गए हैं। इसके साथ ही 04 प्रतिष्ठानों में पाई गई कमियों पर सुधार नोटिस जारी किए गए हैं। हरिद्वार तथा देहरादून के 03 डिस्ट्रीब्यूटर पर नियमों का उलंघन करने पर मा. न्यायालय जिला रुद्रप्रयाग में वाद योजित किए गए हैं। इसके साथ ही ऊखीमठ मार्केट से एकत्रित मिठाई-8रसगुल्ला का नमूना फेल होने पर न्यायालय में वाद दायर किया गया,

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने तीर्थपुरोहितों के धरने को दिया समर्थन

नई टिहरी : देवप्रयाग तीर्थ पुरोहित समाज का बदरीनाथ में मास्टर प्लान की विस्थापन नीति के खिलाफ चल रहे धरना प्रदर्शन का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने समर्थन किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर प्रभावितों के साथ है।

दो दिवसीय गढ़वाल दौरे से लौटते समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने देवप्रयाग से वीडियो कॉल के माध्यम से धरना प्रदर्शन कर रहे तीर्थ पुरोहितों से बदरीनाथ में बात की। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के नाम पर तीर्थ पुरोहितों को बदरीनाथ धाम में उनके हक हकूको से वंचित किए जाने का कांग्रेस विरोध करती है। बदरीनाथ का आज जो स्वरूप है, वह तीर्थ पुरोहितों के पूर्वजों की त्याग व तपस्या का ही फल है। उन्होंने कहा कि, हिंदुओं के पावन धाम को पर्यटन स्थल नहीं बनने दिया जायेगा।

सभी अधिकारी सतर्क एवं अलर्ट रहें :डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी ने जिला कार्यालय कक्ष में आपदा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में हो रही भारी बारिश के दृष्टिगत सभी अधिकारी सतर्क एवं अलर्ट रहें। किसी भी प्रकार से कहीं आपदा एवं भू-स्खलन की घटना घटित होने पर सभी संबंधित अधिकारी तत्परता से राहत एवं बचाव कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सड़क मार्ग से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में जो भी संवेदनशील क्षेत्र एवं जिन क्षेत्रों में भू-स्खलन की स्थिति निरंतर बनी रहती है ऐसे स्थानों में जेसीबी मशीन के साथ ऑपरेटर 24 घंटे तैनात रहें तथा सड़क मार्ग बाधित होने पर मार्ग को खुलवाने की कार्यवाही त्वरित गति से की जाए, ताकि आम जनमानस एवं केदारनाथ यात्रा पर आ रहे तीर्थ यात्रियों को परेशानी एवं असुविधा न हो। इसके साथ ही संबंधित अधिकारी एवं सभी जेसीबी ऑपरेटर के मोबाइल नंबर भी तहसील मुख्यालयों, पुलिस थाना, चैकियों एवं आपदा कंट्रोल रूम को भी उपलब्ध कराएं, ताकि कोई घटना घटित होने पर इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के अधिकारी एवं जेसीबी ऑपरेटर को उपलब्ध कराई जा सके। डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहें तथा किसी भी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घटना घटित होने की सूचना मिलने पर त्वरित स्थलीय निरीक्षण करते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू करें। इसके साथ ही क्षति का आंकलन करते हुए पीड़ित को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, जिला विकास अधिकारी अनिता पंवार, उप जिलाधिकारी जखोली परमानंद राम, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार, अधिशासी अभियंता लोनिवि जेएस रावत, मनोज भट्ट, ग्रामीण निर्माण विभाग हितेश पाल सिंह, सहायक अभियंता एनएच नंदिता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नाराज पर्यावरण मित्र आज से देगा धरना

रुद्रप्रयाग : बीते लम्बे समय से नगर पालिका द्वारा नौकरी से हटाए गए पर्यावरण मित्र रामपाल सिंह आज बुधवार से नगर पालिका कार्यालय में धरना देंगे। रामपाल ने बताया कि वह वर्ष 2014 से नगर पालिका में कार्यरत हैं जबकि कोरोना के दौरान उन्होंने जान जोखिम में डालकर सेवाएं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि 7 महीने से नगर पालिका द्वारा उन्हें हटाया गया है, जबकि इस दौरान वेतन भी नहीं दिया है जिससे परिवार के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है।

संस्कृत विवि देवप्रयाग में शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई टिहरी : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में शास्त्री (बीए) प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया शुरु हो गई है।

केंद्रीय विवि की कक्षाओं में प्रवेश के लिए होने वाले टेस्ट (सीयूईटी) का परिणाम आने के बाद यहां प्रवेश हुए हैं। परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने बताया कि इस बार परिसर में छात्र संख्या बढ़ने को देखते सुविधाएं भी बढ़ाई जा रही हैं। परिसर में शास्त्री (बीए)और आचार्य (एमए) में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर टेस्ट होता है। पिछले वर्ष उत्तराखंड के अनेक बच्चों ने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर यहां प्रवेश लिया है। जिन छात्रों ने सीयूईटी परीक्षा नहीं दी, उन्हें परिसर स्तर पर मेरिट स्तर की एक परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जा रहा है।

प्रो. सुब्रह्मण्यम ने बताया कि इस वर्ष परिसर में योग और पौरोहित्य जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं। यहां लगभग 6 सौ विद्यार्थियों की आवासीय, भोजन व्यवस्था बहुत सामान्य शुल्क पर उपलब्ध है। शास्त्री में प्रवेश के लिए 12वीं तक संस्कृत विषय अनिवार्य नहीं है। परिसर से वेद, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य तथा दर्शन विषयों में स्नातकोत्तर, पीएचडी तथा स्नातक स्तर पर शरीरिक शिक्षा, हिन्दी, अंग्रेजी, कंप्यूटर, इतिहास पढ़ाए जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से संबद्ध होने के कारण अब यहां ऐसे पाठ्क्रम चलाए जा रहे हैं जिनसे छात्रों को तुरंत रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। परिसर में हिमाचल, उत्तर प्रदेश, असम, बंगाल आदि राज्यों के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। फॉर्म भरने की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। (एजेंसी)

लापता बच्चा देहरादून से सकुशल बरामद

रुद्रप्रयाग : मां की डांट से नाराज होकर चन्द्रापुरी से घर छोड़कर गायब हुआ 14 वर्षीय किशोर को देहरादून से सकुशल तलाश लिया गया है। घटना से डरे सहमें परिजनों ने बेटे को सकुशल मिलने पर पूर्व विधायक मनोज रावत, पुलिस प्रशासन और अपने–अपने स्तर से प्रयास कर रहे लोगों का आभार जताया है। बताया गया कि किशोर 17 जुलाई को घर से ट्यूशन के लिए निकला था। जब वह दिन ढल जाने के बाद भी घर नही आया तो परिजन बेहद परेशान हो गए। इसके बाद परिजनों ने अगस्त्यमुनि थाना में बच्चे के गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई। साथ ही पुलिस सहित स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर बच्चे की खोजबीन तेजी से शुरू कर दी।

एक घंटे की बारिश से सड़कें हुईं जलमग्न

ऋषिकेश। शहर में मंगलवार को एक घंटे तक हुई तेज बारिश से शहर की सड़कें जलमग्न हो गई। निकासी के अभाव में निचली बस्तियों में रहने वाले लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। ऐसी स्थिति में लोगों को घरों में घुसे पानी को निकालने के लिए अच्छी खासी मशक्कत भी करनी पड़ी। वहीं सड़क पर भरे पानी से चालकों को वाहन निकालना तक मुश्किल हो गया। पानी में वाहन बंद होने पर चालकों को उतरकर धक्का लगाकर अपने वाहन निकलने पड़े।

मंगलवार को तड़के तीन बजे से मौसम का मिजाज बदल गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश इतनी तेज थी कि एक घंटे में ही शहर की सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी जमा हो गया। निचली बस्तियों में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से घरों में पानी घुस गया। मायाकुंड, चंद्रभागा, शीशमझाड़ी समेत निचली बस्ती में रहने वाले लोगों को बारिश के कारण परेशान होना पड़ा। घरों में पानी घुस जाने से लोग उसे निकालते नजर आए। नगर निगम के सामने मुख्य सड़क पर कमर–कमर तक पानी भर गया था। मुख्य सड़क पर भरे पानी के कारण लोगों को वाहन निकलना तक मुश्किल हो गया। बारिश के दौरान जो लोग अपने कार्यालय के लिये निकले थे, उनके वाहन सड़क पर ही बंद हो गए। जलभराव का मामला विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समक्ष उठाया जाता है, बावजूद अभी तक क्षेत्र में जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं किया गया है। मेयर अनिता ममगाईं ने बताया कि अचानक तेज बारिश से अत्यधिक पानी शहर में जमा हो गया। नालियों में कचरा अटकने से दिक्कत आई। जिससे सड़क पर बरसाती पानी बहने लगा। इसके लिये निगम के कर्मियों को चौक नालियों को खोलने पर लगाया गया। दोपहर तक सभी चौक नालियां खोल दी गई। श्रीदेवसुमन विवि परिसर में बरसाती पानी घुसने से दिक्कत आई।

संक्षिप्त समाचार

विधायक किशोर ने आपदा प्रभावितों का जाना हाल-चाल

नई टिहरी : टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने आपदा ग्रसित क्षेत्रों का मंगलवार को जायजा लिया। टिहरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा बुड़ोगी व जाखणीधार क्षेत्र के ग्राम सभा उठड़ व सहित आस–पास के क्षेत्रों में पहुंचकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों व यहां के निवासियों का हाल–चाल जाना। स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए विधायक ने कहा कि प्रदेश के सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित वह आपदा की इस घड़ी में जनता के साथ हैं और निरंतर जनता के बीच हैं। कहा कि यदि गांव में किसी भी तरह की कोई आपदा या किसी का घर अगर क्षतिग्रस्त हुआ है, तत्का सूचना दें। इसे लेकर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देकर कार्यवाही सुनिश्चित करवाई जायेगी। जिले के आपदा से जुड़े अधिकारियों को सीएम स्तर से त्वरित कार्यवाही के निर्देश पहले से ही जारी किए गये हैं। गांव–गांव तक जाकर अधिकारियों को बारिश से हुए नुकसान का आंकलन करने को भी निर्देशित किया गया है। (एजेंसी)

केंद्रीय अनुसूची में गंगाड़ी ओबीसी समुदाय को शामिल किया जाए

नई टिहरी : बंस्यूल क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य जयवीर सिंह रावत ने डीएम को ज्ञापन देकर थौलधार विकास खंड में निवासरत गगाड़ी समुदाय को केंद्रीय ओबीसी की अनुसूची में शामिल करवाने और उस दौरान ओबीसी में शामिल होने से छूटी जातियों को ओबीसी में शामिल करवाने की मांग की है। सोमवार को जिपंस जयवीर सिंह रावत ने डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर ज्ञापन देते हुए अवगत कराया कि विगत आठ वर्ष पूर्व थौलधार ब्लाक में निवासरत पिछड़े लोगों को राज्य सरकार ने राज्य ओबीसी में शामिल करते हुए यहां निवासरत लोगों को गंगाड़ी माना था।
लेकिन इतने साल बीतने के बाद भी गंगाड़ी समुदाय को केंद्रीय ओबीसी की अनुसूची में शामिल नही किया गया है। जिसके चलते गंगाड़ी लोगों को केंद्रीय सेवाओं में ओबीसी का लाभ नही मिल पा रहा है। जिसे तत्काल केंद्रीय की अनसूची में शामिल किया जाय। इसके साथ ही इस क्षेत्र में कई जातियों ओबीसी में शामिल होने से कतिपय कारणों से वंचित रह गई है। इन्हें भी ओबीसी में शामिल किया जाय। (एजेंसी)

यूकेडी पदाधिकारियों ने डीएम से की मुलाकात

रुद्रप्रयाग : मंगलवार को उत्तराखंड क्रांति दल के प्रतिनिधिमंडल ने जिले के नवनियुक्त जिलाधिकारी सौरभ गहरवार से मुलाकात की साथ ही उन्हें जिले की समस्याओं से अवगत कराया। यूकेडी पदाधिकारियों ने मुख्य रूप से रेलवे निर्माण कार्यों के कारण जनपद मुख्यालय के नजदीक औण गांव का विस्थापन अमसारी वार्ड में हो रहे भू-धंसाव को रोकने के उपाय, खांकरा नरकोटा आदि रेलवे प्रभावित गांवो में विस्फोटो से हुए नुकसान के मुआवजे की मांग की।

सब्जी की बढ़ती दरों एवं मुनाफाखोरी पर रोक लगाए जाने हेतु डीएम ने ली बैठक

देहरादून। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी सोनिका द्वारा सब्जी की बढ़ती दरों एवं मुनाफाखोरी पर रोक लगाए जाने हेतु ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में बैठक लेते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सब्जियों की बिक्री में मुनाफाखोरी रोकते हुए जनमानस को उचित दामों पर सब्जी मिले, जिसके लिए टीमें अपने–2 क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करेंगी। साथ ही मंडियों में सब्जियों के मूल्य में एकरूपता रहे। जिला पूर्ति अधिकारी एवं मंडी निरीक्षक को निर्देशित किया कि प्रत्येक खुदरा एवं फुटकर सब्जी की दुकानों, टेली, रेहड़ी पर सब्जियों की रेट लिस्ट चस्पा हो तथा प्रत्येक दिन की सब्जी के दरों की सूची प्रेषित करें। उन्होंने प्रत्येक दिन सब्जी की लिस्ट जिला प्रशासन के सोशल मीडिया एकांउट पर प्रसारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुनाफाखोरी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के प्रमुख निर्देश–

मंडियों में सब्जियों के मूल्य में एकरूपता रहे।

प्रत्येक सब्जी की दुकान खुदरा/फुटकर की दुकानों पर रेट लिस्ट लगी हो।

प्रत्येक दिन की सब्जी का मूल्य की सूची सोशल मीडिया पर प्रस्तारित की जाए।

गठित टीम अपने–अपने क्षेत्र में मंडी का नियमित निरीक्षण करें।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल, मंडी निरीक्षक अजय डबराल, जिला पूर्ति अधिकारी विवेक शाह आदि सम्बन्धित अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

देवभूमि पत्रकार यूनियन ने किया गौतम कुंड, चंद्रबनी में पौध रोपण

देहरादून। हरियाली, शांति व समृद्धि के प्रतीक लोकपर्व हरेला पर देवभूमि पत्रकार यूनियन (पंजी.) उत्तराखंड जिला इकाई की ओर से आज नगर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मंदिर गौतम कुंड, चंद्रबनी के परिसर में भारी वर्षा के बीच दर्जनों फलदार, छायादार वृक्ष रोपित किए गए। इस अवसर पर यूनियन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने प्रदेश को हराभरा करने में सहयोग का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्यरूप से मौजूद यूनियन के प्रदेश महासचिव डा. वी.डी.शर्मा ने कहा कि जनपद देहरादून इकाई का यह प्रयास वास्तव में बधाई के योग्य है। उन्होंने कहा कि जंगल बचेंगे तो हम बचेंगे। जीव और वन ही जीवन है।

इंटिग्रेटेड टाउनशिप योजना के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा का जनजागरण अभियान शुरू

ऋषिकेश। संयुक्त किसान मोर्चा ने डोईवाला में नई इंटिग्रेटेड टाउनशिप योजना को लेकर जनजागरण अभियान शुरू कर दिया है। मोर्चा ने इस योजना के खिलाफ सड़क पर उतरने की चेतावनी दी और समर्थन के लिए लोगों को जागरूक किया। मंगलवार को धर्मुचक स्थित बारात घर में संयुक्त किसान मोर्चा ने बैठक आयोजित की। बैठक में किसान नेता उमेद बोरा ने कहा कि समाचार पत्रों के जरिए ज्ञात हुआ है कि सरकार डोईवाला में डोईवाला नगर पालिका व अन्य ग्रामीणों क्षेत्रों को मिलाकर एक टाउनशिप बनाना चाहती है। जिसके लिए क्षेत्र के किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। सुरेन्द्र सिंह खालसा ने कहा कि सरकार मारखम ग्रांट और माजरी ग्रांट मे उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण कर स्मार्ट सिटी बनाना चाहती है और यहां की जनता को बेघर कर सड़क पर लाने की तैयारी कर रही है। बलबीर सिंह और याकूब अली ने कहा कि यदि सरकार इस योजना को लाती है, लोगों के सामने रहने और जीने का संकट खड़ा हो जाएगा। जिन गरीबों के पास अपनी जमीन नहीं है और पट्टे कि भूमि पर मकान बना रखें है, वह सब बेघर होकर सड़क पर आ जायेंगे। इसके खिलाफ सभी को मिलकर आंदोलन करना होगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल और पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव चौधरी ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने अपना खून पसीना बहाकर जिस जमीन को सैकड़ों साल पहले बनाया उसी जमीन पर नया शहर बसाकर अडानी और अंबानी के हवाले कर यहां के मूल निवासियों को बेघर करना चाहती है।

डॉ0 निशंक की अध्यक्षता में ग्राम सभा खदरीखडक माफ में लगा जनता दरबार

देहरादून। सांसद लोकसभा, हरिद्वार क्षेत्र डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक की अध्यक्षता में सामुदायिक भवन खदरीखडक माफ में बैठक एवं जनता दरबार आयोजित किया गया। श्री निशंक द्वारा मनाननीय सांसद आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत द्वितीय चरण (वर्ष 2023–24) हेतु विकासखण्ड डोईवाला के ग्राम सभा खदरीखडक माफ (हमारो अपणु) का चयन किया गया है । माननीय सांसद ने बैठक लेते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को वी०डी०पी० तैयार किए जाने के सम्बंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

माननीय सांसद ने आदर्श ग्राम सभा को विकसित स्वरूप देने हेतु रेखीय 32 विभागों की प्रस्तावित ग्राम विकास योजनाओं की जानकारी लेते हुए सुनियोजित रूप से धरातल पर उतारने हेतु सम्बन्धित अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श ग्राम सभा को विकास इस तरह हो कि ग्राम सभा से बाहर आवाजाही करने वाले लोगों का परिचय के साथ ग्राम सभा के नाम से लोग परिचित हों। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित योजना की जानकारी के दौरान कहा कि नालियां एवं सड़क आदि के कार्य सुगम, व्यवस्थित एवं गुणवत्तायुक्त हों, उक्त विकास कार्यों से लोगों में प्रसंशा हो। इसी प्रकार शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी लेते हुए माननीय सांसद ने कहा कि ग्रामसभा में सभी विद्यालय की शिक्षा के क्षेत्र में सुधार/अभिनव कार्य करें, जिससे आदर्श ग्राम सभा के बच्चे देश एवं प्रदेश में गांव का नाम रोशन करें। अन्य क्षेत्रों के लिए भी मिशाल बने। उन्होंने उद्यान पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता आदि विभागों की योजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि आपसी समन्वय बनाकर अपनी–2 योजनाओं को इस क्रियान्वयन करें, ताकि ग्राम सभा के लोग बाहर की वस्तुओं पर आश्रित न होकर ग्राम सभा से उत्पादित कर वस्तुओं को बाहर भी आपूर्ति कर सके। इसके लिए कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, सब्जी उत्पादन आदि के क्षेत्र पर महिलाओं एवं ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए स्वरोजगार को बढावा देते हुए ग्रामीणों एवं महिलाओं की आर्थिकी मजबूत करते हुए आत्मनिर्भर बनाया जाए। वहीं बाल विकास एवं पंचायतीराज की समीक्षा के दौरान उन्होंन कहा कि रेखीय विभाग आपसी समन्वय को बेहतर बनाते हुए योजनाओं को इस तरह से बनाये कि महिला सशक्तीकरण एवं महिला कल्याण को और अधिक मजबूत करते हुए लखपति बहिन योजनाओं को ओर अधिक बढावां दे, जिससे महिलाओं की आर्थिकी में सुधार आए। उन्होंने अन्य विभागों की योजनाओं की जानकारी लेते हुए उन्हें आपसी बेहतर समन्वय से कार्य करने तथा आदर्श ग्राम सभा में योजनाओं को इस तरह से विकसित करने को कहा कि जिससे हर क्षेत्र के लोगो में आदर्श ग्राम सभा का नाम चर्चा में हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–2 विभागों की ग्राम सभा में प्रस्तावित योजनाओं का समुचित विवरण की अलग से डायरी बनाएगें, जिसमें प्रतिदिन के कार्य प्रगति रिपोर्ट का विवरण भी अंकित करेंगे।

उन्होंने आदर्श ग्राम सभा के सर्वागीण विकास के लिए सभी को आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्य करने की अपेक्षा की ताकि गांव को एक आदर्श गांव का स्वरूप दिया जा सके। इसके उपरान्त माननीय सांसद ने उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए सम्बन्धित विभागों के ग्रामीणों की समस्या एवं शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए।माननीय सांसद ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि एक समिति बनाएं जिसमें प्रभागीय वनाधिकारी को भी नामित करते हुए ग्राम सभा में अवस्थित विभागों की परिसम्पतियों का निरीक्षण करते हुए आजीविकास स्वरोजगार को बढावा देने हेतु मत्स्य पालन, मौन पालन, नौकायान आदि उपयुक्त योजना का क्रियान्वयन करते हुए विकसित करेंगे।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने मंचासीन मुख्य अतिथि एवं जनमानस का अभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षा के मध्य बड़ी संख्या में कार्यक्रम में पंहुचकर बैठक को सफल बनाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया

माननीय सांसद द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों का शत्प्रतिशत् अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपनी–2 विकासपरक योजनाओं को सांसद आदर्श ग्राम में धरातल पर उतारें। साथ ही जनसुनवाई में आए शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।इसके उपरान्त माननीय सांसद एवं मुख्य विकास अधिकारी व गणमान्य व्यक्तियों ने ग्राम सभा के प्राचीन जल स्त्रोत परिसर में फलदार वृक्ष लगाते हुए हरेला पर्व मनाने का संदेश दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नितिशमणी त्रिपाठी, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास मोहित चौधरी, जिला उद्यान अधिकारी मीनाक्षी जोशी, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, तहसीदार ऋषिकेश चमन सिंह, सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधित एंव बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मांगो को लेकर दिल्ली कूच करेंगे पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियों को दूर करने के लिए कोटद्वार के पूर्व सैनिकों ने 23 जुलाई को दिल्ली कूच करने का निर्णय लिया है।

इस संबध में भाबर क्षेत्र के घमंण्डपुर स्थित एक बारातघर में पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की ओर से आयोजित बैठक में समिति अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत ने कहा कि ओआरओपी में व्याप्त विंसगतियों को दूर करने के लिए पूर्व सैनिक 20 फरवरी से दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलनरत हैं, लेकिन केंद्र सरकार मांग को अनदेखा कर रही है। इसलिए पूर्व सैनिक अब 23 जुलाई को दिल्ली में महारैली कर रहे हैं, जिसमें कोटद्वार से अधिक से अधिक पूर्व सैनिक दिल्ली कूच करेंगे। कहा कि पूर्व सैनिक अपने हक को प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक ढ़ंग से आंदोलन कर रहे हैं। बैठक में मदन सिंह, बलवान सिंह, राजेश बिष्ट, हरपाल सिंह, ठाकुर सिंह, अनसुया प्रसाद, देवेंद्र सिंह रावत, देवेंद्र सिंह बिष्ट, गोपाल सिंह नेगी, भारत सिंह, प्रकाश रावत, प्रमोद रावत, शूरबीर खेतवाल, पदम सिंह, मधुसूदन नोडियाल, राजेंद्र प्रसाद डोबरियाल, सुरेंद्र प्रसाद थपलियाल, सुदर्शन सिंह और परवीन रावत आदि उपस्थित थे।

सात जुलाई को कौड़िया क्षेत्र से चोरी हुआ था सड़क किनारे खड़ा ट्रैक्टर

अंतरराज्यीय ट्रैक्टर-ट्रॉली चोर गिरफ्तार, एक पर दर्ज है हत्या का मामला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने कौड़िया क्षेत्र से चोरी हुए ट्रैक्टर को बरामद करते हुए दो अंररा्ज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के विभिन्न शहरों से ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी कर उसे देवबंद क्षेत्र में बेच देते थे। पकड़े गए एक आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस युवकों के साथ चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अन्य बदमाशों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

मंगलवार को कोतवाली में आयोजित पत्रकार वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी श्वेता चौबे ने बताया कि 7 जुलाई को गोविंद नगर निवासी संजीव भाटिया ने कौड़िया पुल से चोरों द्वारा उनका महेंद्र ट्रैक्टर चोरी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए तफ्तीश शुरू की। बताया कि कांवड़ मेले में ड्यूटी लगे होने के कारण कोतवाली में कम पुलिस बल होने के बाद भी मामले की विवेचना कर रही पुलिस टीम ने कोटद्वार में लगे समस्त सीसीटीवी फुटेज को देखा।

कोटद्वार कोतवाली में चोरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ गिरफ्तार आरोपी

इस दौरान सीसीटीवी में कौड़िया से लाल रंग की बाइक व चोरी का ट्रैक्टर जाता दिखाई दिया। इस पर टीम ने कोटद्वार से देवबंद सहारनपुर तक लगे लगभग 450 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की। देवबंद में सीसीटीवी फुटेज का बैकअप समाप्त होने के बाद टीम ने आसपास के गांवों में तलाशी अभियान चलाया। कड़ी मेहनत के बाद पुलिस टीम ने झबरेड़ा दुक्चाड़ी पुल से मनव्वर हसन, उम्र 23 वर्ष, पुत्र मौसम अली, निवासी हासिमपुरा, देवबंद, सहारनपुर व सुऐब उम्र 24 वर्ष, पुत्र मुर्सलीन, निवासी ग्राम माधोपुर थाना कोतवाली गंगनहर हरिद्वार को चोरी के ट्रैक्टर, दो ट्राली व एक मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे 7 जुलाई को मोटर साइकिल में कोटद्वार आए थे।

कौड़िया पुल के पास ट्रैक्टर खड़ा देखकर उन्होंने उसे स्टार्ट किया और देवबंद ले गए। बताया कि मोटर साइकिल भी उन्होंने मोहल्ला बड़जियाउल हक देवबंद से ही चोरी की थी। साथ ही दोनों ट्रालियों में से एक को ग्राम खुड्डा मुजफ्फरनगर व दूसरी को देवबंद से चोरी किया है। एसएसपी ने बताया कि दोनों अभियुक्तों पर विभिन्न थानों में 8-8 मुकदमें दर्ज हैं। एक आरोपी शुऐब के खिलाफ गंगनहर थाने में हत्या का भी मुकदमा दर्ज है।

पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक मेहराजुद्दीन, हेड कांस्टेबल हेमंत कुमार, सतेंद्र यादव, चेतन सिंह आदि शामिल थे।

इस तरह करते थे चोरी

पकड़े गए बदमाश रैकी करने के बाद आसपास सीसीटीवी कैमरों का भी ध्यान रखते थे। जहां उन्हें सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ नजर नहीं आता था वहां से वह वाहन को चोरी कर लेते थे। चोरी से पूर्व वह पूरे दिन उक्त स्थान की रैकी करते थे। चोरी के वाहनों को वह सुरक्षित स्थान पर ले जाकर छिपा देते थे।

नैतिक शिक्षा को जीवन में अपनाएं विद्यार्थी

इंटर कालेज में बच्चों को संबोधित करते प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि की ओर से राजकीय इंटर कालेज में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान से आए ब्रह्माकुमार भगवान ने कहा कि आज की शिक्षा भौतिकता की ओर ले जा रही है। भौतिक शिक्षा से भौतिकता की प्राप्ति होती है और नैतिक शिक्षा से चरित्र बनता है। इसलिए वर्तमान में भौतिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को नैतिक शिक्षा देने की भी आवश्यकता है। नैतिक शिक्षा से ही बच्चों का मानसिक और बौद्धिक विकास होगा। कहा कि जब तक जीवन में परोपकार, सेवा भाव, त्याग, उदारता सहनशीलता, धैर्यता, सत्यता व ईमानदारी आदि सद्गुण नहीं आते तब तक शिक्षा अधूरी हैं। प्रधानाध्यापक मुकेश रावत ने कहा कि नैतिकता के बिना जीवन अंधकारमय है। वर्तमान में नैतिक मूल्यों की कमी के कारण समाज पतन की ओर जा रहा है। स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की बहन बी.के ज्योति ने कहा कि जब तक जीवन में आध्यात्मिकता नहीं है तब तक जीवन में नैतिकता नहीं आती है। स्वयं व परमपिता परमात्मा को जानना और उसको याद करना ही आध्यात्मिकता है, इसको राजयोग भी कहते हैं। इस दौरान समस्त छात्र-छात्रा और विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। इस मौके पर शिक्षक पूरन चंद धुलिया, विजय, अनुज आदि मौजूद रहे।

शहर के 26 संवेदनशील स्थानों पर लगेंगे नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे

भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड कोटद्वार इकाई के सहयोग से लगाएगी पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने कहा कि कोटद्वार शहर के 26 संवेदनशील स्थानों पर नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाशों को आसानी से पकड़ा जा सकता है। उन्होंने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जनता से भी सहयोग की अपील की।

मंगलवार को कोतवाली में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

शहर में लगातार पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। शहर में कैमरे लगाने के लिए भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड कोटद्वार इकाई से सहयोग मांगा गया है। इकाई ने जल्द ही पुलिस को कैमरे उपलब्ध करने का भी आश्वासन दिया है। इसके साथ ही दिल्ली फार्म, कौड़िया व सिद्धबली के समीप एएमआरआर कैमरे लगाए जाएंगे। यह कैमरे आसानी से किसी भी वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए यातायात पुलिस का सहयोग दे रहे वालेंटियर ऋतिक नेगी को भी सम्मानित किया। कहा कि जन सहयोग से ही व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सकता है।

कोटद्वार कोतवाली में पत्रकारों से वार्ता करती एसएसपी श्वेता चौबे

एसएसपी ने किया मार्ग का निरीक्षण

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने भाबर वासियों के लिए बनाए गए कण्वाश्रम-ध्रुवपुर मोटर मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मार्ग पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस भी अपना पूरा सहयोग दे रही है। बरसात के दौरान मार्ग पर यातायात सुचारू रहें इसके लिए मार्ग पर पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की जाएगी।

सेमिनार के आयोजन का लिया निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ज्योग्राफिकल सोसाइटी ऑफ सेंट्रल हिमालय की ऑनलाइन बैठक आयोजित हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने अक्तूबर-नवंबर माह में सेमिनार आयोजन करने का निर्णय लिया।

परिसर सोसाइटी की अध्यक्ष व केंद्रीय विवि एनएचबी के पौड़ी परिसर की भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. अनीता रूडोला की अध्यक्षता में नए सदस्यों का स्वागत किया गया। इस दौरान बताया कि वार्षिक कलेंडर अनुसार 25 जनवरी को पर्यटन दिवस, 22 अप्रैल को मध्य हिमालय दिवस, पांच जून को पर्यावरण दिवस, नौ सितंबर को हिमालय दिवस व 11 दिसंबर को पर्वत दिवस मनाने पर विचार किया गया। इस दौरान प्रोफेसर जीवन सिंह रावत ने 15 नवंबर को जीआईएस दिवस मनाने प्रस्ताव रखा। जिसमें सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस दौरान सोसाइटी के सेमिनार को लेकर चर्चा हुई। जिसे अक्तूबर-नंवबर माह में आयोजित करने पर सहमति बनी। जिसके लिए एक समिति का भी जल्द गठन किया जाएगा। बैठक में सोसाइटी उपाध्यक्ष डॉ. राजेश भट्ट, प्रो. डीडी चोनियाल, प्रो. वीपी सती, वीआर पंत, प्रो. एमएस नेगी, डा. अर्चना नौटियाल, डॉ. मंजू भंडारी, रियाज मौजूद रहे।

पौधों का किया रोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व वन विभाग के सहयोग से कल्जीखाल के दो विद्यालयों में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

कल्जीखाल विकासखंड में विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलबी जगमोहन डांगी ने वन विभाग के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय घंडियाल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जगमोहन डांगी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन पर मानव जीवन के लिए वृक्षों का महत्व एवं पौधारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मंगलवार को दोनों विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के साथ पौधारोपण किया गया। बताया कि इस दौरान पौधारोपण व मानव जीवन में पेड़ पौधों की भूमिका पर एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को विधिक जानकारियों के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में पेड़ पौधों की भूमिका की जानकारी दी गई।

इस मौके पर सतपुली रेंज के वन बीट आरक्षी प्रदीप कुमार व मेहरबान सिंह नेगी दोनों ही विद्यालयों से जुड़े शिक्षक शिक्षिकाएं तथा छात्र भी मौजूद रहे।

विद्यालय में पौधा रोपण करते सदस्य

तहसील दिवस में 35 शिकायते दर्ज, 21 का मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : मंगलवार को सतपुली तहसील में आयोजित तहसील दिवस में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने पेयजल, विद्युत सहित अन्य विभागों की 35 शिकायतें दर्ज कराई। जिसमें से 21 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। एसडीएम संदीप कुमार ने शेष समस्याओं के निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने अफसरो को पूरी तैयारी के साथ आने के निर्देश दिए। कहा कि क्षेत्र में हो रहे विभिन्न कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करते हुए उसकी रिपोर्ट भी दे।

मंगलवार को तहसील दिवस पर अधिकतर शिकायतें मानसून से मोटर मार्गों की क्षति, पेयजल, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य विभागों की रही। एसडीएम संदीप कुमार ने संबंधित अफसरो को तहसील दिवस में आई शिकायतों को प्राथमिकता के साथ हल करने के निर्देश दिए। कहा कि समस्याओं का निस्तारण कर उसकी आख्या रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। कहा की पूर्व तहसील दिवस में जिन समस्याओं का निराकरण अभी तक नहीं हो पाया है उनका भी तत्काल निस्तारण करें। इस अवसर पर तहसीलदार सुधा डोभाल, थानाध्यक्ष सतपुली लाखन सिंह आदि शामिल रहे।

मिला आश्वासन, छात्र संघ पदाधिकारियों ने खत्म किया आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर पिछले छः दिन से आंदोलन पर डटे छात्रसंघ पदाधिकारियों का आंदोलन मंगलवार को समाप्त हो गया। विश्व विद्यालय व महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को जल्द ही समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया है।

छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल व महासचिव शुभम सुयाल ने कहा कि बीएससी बायोटैक में नई शिक्षा नीति लागू करने, महाविद्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम व्यवस्था बनाने की मांग को लेकर वह पिछले छः दिन से आंदोलन पर डटे हुए थे। बावजूद इसके विश्वविद्यालय व महाविद्यालय विद्यार्थियों की समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा था। बताया कि सोमवार को पदाधिकारियों ने आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद मंगलवार को प्राचार्य डॉ. जानकी पंवार ने पदाधिकारियों से वार्ता करते हुए कुलपति के आदेशों के बारे में बताया। बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से पदाधिकारियों को जल्द ही महाविद्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने, बीएससी बायोटैक में नई शिक्षा नीति लागू करने व विद्यार्थियों की समस्या के निराकरण को महाविद्यालय में कर्मचारी की नियुक्त का आश्वासन दिया गया है। इस मौके पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विजय रावत, कोषाध्यक्ष बाबी बिष्ट, दमनदीप, अभिषेक अग्रवाल, ऋषभ, अभिषेक रावत, आकृति भंडारी आदि मौजूद रहे।

वैश्य अग्रवाल सभा ने किया पौधा रोपण

कोटद्वार : वैश्य अग्रवाल सभा की ओर से गाड़ीघाट स्थित मुक्तिधाम परिसर में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। सभा के अध्यक्ष सुबोध गर्ग के नेतृत्व में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। सदस्यों ने नीम, बेल, पीपल सहित अन्य प्रजाति के पौधों का रोपण किया। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना चाहिए। इस मौके पर सभा के महामंत्री नरेंद्र कुमार, संदीप अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, रतन अग्रवाल, मंजीत अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

धरती को बचाने के लिए अवश्य करें पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सतपुली : हरेला पर्व पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। कहा कि धरती को बचाने के लिए हमें अवश्य पौधा रोपण करना चाहिए। इस दौरान पौधा रोपण अभियान भी चलाया गया।

राजकीय महाविद्यालय सतपुली के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार व पर्यावरण प्रकोष्ट की नोडल अधिकारी डॉ. दीप्ति के मार्गदर्शन में हरेला पर्व के तहत गोष्ठी आयोजित की गई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को हरेला पर्व के महत्व के बारे में बताया।

राजकीय महाविद्यालय में पौधा रोपण करते शिक्षक व अन्य

कहा कि बिना पर्यावरण संरक्षण के हम धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। धरती पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। रेंज ऑफिसर सतपुली अनिल कुमार ने गोष्ठी के माध्यम से विभिन्न प्रजातीय पौधों और पेड़ों की महत्वता के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. अवधेश उपाध्याय, लक्ष्मी देवी, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

विधायक ने अंकिता के परिजनों को 1 लाख 11 हजार भेंट किए

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विधायक प्रतापनगर ने अंकिता भंडारी के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने अंकिता के परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। कहा कि कांग्रेस अंकिता को न्याय दिलाने के लिए लड़ाई लड़ेगी। इस दौरान उन्होंने अंकिता के परिजनों को कानूनी लड़ाई के लिए 1 लाख 11 हजार की धनराशि भी भेंट की।

मंगलवार को प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने अंकिता की माँ सोनी देवी व पिता विक्रम भंडारी से मुलाकात की। इस दौरान विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस स्वाभिमान न्याय यात्रा चला रही है। यात्रा के माध्यम से अंकिता को न्याय दिलाने की मांग की जा रही है। उन्होंने अंकिता के परिजनों को भरोसा दिलाया कि आपकी इस लड़ाई में पूरा प्रदेश उनके साथ है। कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस और मजबूती के साथ लड़ाई लडेगी। इस मौके पर वीर प्रताप सिंह सहित अन्य कांग्रेसी शामिल रहे।

अफसर आपसी समन्वय बनाकर करें काम : तीरथ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला विकास समन्वय एवं विकास समिति (दिशा) की बैठक में सांसद गढ़वाल तीरथ सिंह रावत ने अधिकारियों को बरसात के मौसम में अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। सासंद ने अफसरों को गुणवत्ता व आपसी समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए। बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर बनी पानी की टंकियों में कीटाणुनाशक दवाएं नहीं डाले जाने पर समिति के सदस्यों व ब्लाक प्रमुखों ने जल संस्थान के अधिकारियों को आडे हाथों लिया। कहा कि बरसात के मौसम में पानी की टंकियों में क्लोरीन अनिवार्य रुप से डाला जाए।

मंगलवार को विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सांसद ने एनएच, लोनिवि, पीएमजीएसवाई के अफसरो को बरसात के मौसम में मोटर मार्गों को यातायात के लिए सुचारु रखनें के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पौड़ी के निकट बंद पड़े एक स्क्रबर को एनएच की जेसीबी के द्वारा खोलते समय जल संस्थान के 40 पेयजल संयोजन क्षतिग्रस्त होने पर न तो जल संस्थान व ना ही एनएच के अफसरो द्वारा संज्ञान लिया गया। जिस पर सांसद ने दोनों अफसरों को आपसी समंवय से तत्काल पेयजल लाइने ठीक करने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख बीरोखाल ने कहा कि लोनिवि बैजरों द्वारा वर्ष 2005 के बाद क्षेत्र में हुए सड़क निर्माण का मुआवजा नहीं दिया है। जिससे ग्रामीणों में रोष बना हुआ है।

बैठक में समिति के सदस्यों ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पेयजल लाईनों को मानकों के अनुसार नहीं बिछाया जा रहा है। सांसद ने जल संस्थान के अफसरो को मानकों के अनुरूप काम करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी, नगर पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम, ब्लाक प्रमुख दीपक कुकशाल, महेंद्र राणा, बीना राणा, डीएम डॉ. आशीष चौहान आदि मौजूद रहे।

घुश्मेश्वर महिला समिति अल्मोड़ा ने नन्दा देवी में मनाया वृहद हरेला पर्व

अल्मोड़ा। घुश्मेश्वर महिला समिति अल्मोड़ा ने विख्यात नन्दा देवी मन्दिर में वृहद हरेला पर्व मनाया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाएं हरेले को लेकर नन्दा देवी मन्दिर पहुंची जहां हमारे कुमाऊंनी गीतों के द्वारा सबका स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समिति की अध्यक्ष लता तिवारी ने कहा कि इस हरेला कार्यक्रम को करने का मुख्य उद्देश्य अपनी पर्वतीय संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में आज बेहद आवश्यक हो गया है कि हमारी पर्वतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाए। इस अवसर पर सभी महिलाओं ने अपने घर में उगाये गये हरेले के साथ नन्दा देवी मन्दिर में हमारी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पहाड़ी गीतों के माध्यम से सबका उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महिलाओं ने कहा कि इस हरेला कार्यक्रम को मनाने के पीछे हमारी पहाड़ी संस्कृति को बढ़ावा देना, पर्यावरण की सुरक्षा देना है। सैकड़ों महिलाओं ने बड़े ही उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में अपना प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में विधायक मनोज तिवारी, नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष पीताम्बर पाण्डेय, सभासद राजेन्द्र तिवारी सहित घुश्मेश्वर महिला समिति की अध्यक्ष लता तिवारी, सचिव प्रीति बिष्ट, पुष्पा मेहरा, प्रेमा बिष्ट, कंचन जोशी, राधा तिवारी उपस्थित रहे।

लो वोल्टेज और बिजली बिलों में गड़बड़ी पर किया एसडीओ विद्युत का घेराव

रुद्रपुर। वार्ड 17 की शिव कॉलोनी के लोगों ने मंगलवार को एसडीओ विद्युत अंबिका यादव का घेराव किया। उनका आरोप था कि वार्ड में लो वोल्टेज और बिजली के बिलों में भारी गड़बड़ी हो रही है।

कई बार मौखिक और लिखित शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। वॉर्डवासियों ने समस्याओं का निस्तारण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बॉबी राठौर के नेतृत्व में कांग्रेसी विद्युत उपखंड कार्यालय पहुंचे। वहां एसडीओ यादव का घेराव करते हुए कहा कि वार्ड 17 में शिव कॉलोनी की तहत आती जय ईष्टदेव कॉलोनी में हमेशा लो वोल्टेज की समस्या रहती है। बिजली होने के बावजूद बिजली के उपकरण नहीं चल पा रहे हैं।

बीच सड़क पर धंसी केमू की बस, मची चीख पुकार

अल्मोड़ा। हल्द्वानी से खेती धूरा मलाण आ रही बस सुबह करीब सवा सात बजे धूरा बैंड में भारी जल भराव के बीच सड़क में ही धंस गई। बस में चालक–परिचालक सहित करीब 25 लोग सवार थे। हादसा होते ही बस में मौजूद लोगों में दुर्घटना के भय से चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलने पर युवा कांग्रेस नेता वीरेंद्र सिंह मलारा व सामाजिक कार्यकर्ता युगल तिवारी मौके पर पहुंचे।

मलारा ने फोन पर एसडीएम व तहसीलदार को सूचित किया कि सड़क पर केमू की बस धंस गई है। उन्होंने एसडीएम से आग्रह किया कि ठेकेदार को सूचित कर जेसीबी भेजी जाए। कुछ देर बात राहत कार्य शुरू हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं, युगल तिवारी ने जेई से बात की। युवा कांग्रेस जागेश्वर विधानसभा अध्यक्ष विरेंद्र मलारा व युगल तिवारी ने बताया कि बीते कई रोज से मौसम खराब है। जिस वजह से सड़क की हालात खस्ताहाल बनी है। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना पहले भी प्रशासन व संबंधित विभागीय अधिकारियों को दी गई थी। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। लापरवाही के कारण ही आज केमू बस सड़क पर धंस गई।

चम्पावत परिसर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

चम्पावत। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के चम्पावत परिसर में मंगलवार से प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है। मंगलवार को बीए, बीएससी व बीकॉम के छात्र–छात्राओं द्वारा अपने प्रमाण–पत्रों का सत्यापन करा कर शुल्क जमा किया। प्रवेश–प्रक्रिया को शांतिपूर्वक कराने को लेकर प्राचार्य प्रो चंद्र राम व परिसर के नोडल अधिकारी डॉ नवीन भट्ट के मध्य चर्चा हुई। तत्पश्चात शिक्षकों व कर्मचारियों को विभिन्न प्रवेश समितियों की जिम्मेदारियां सौपी गई थी। मंङ्गलवार को चम्पावत परिसर के रूप में कई छात्र–छात्राओं द्वारा विधिवत अपना शुल्क जमा कराया गया। प्रवेश प्रक्रिया के प्रारम्भ होने पर कुलपति प्रो जे एस बिष्ट द्वारा भी प्रसन्नता व्यक्त की गई। परिसर के नोडल अधिकारी डॉ नवीन भट्ट ने बताया कि शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई निर्धारित की गई है। उक्त तिथि से पूर्व बीए प्रथम सेमेस्टर, बीएससी प्रथम सेमेस्टर व बीकॉम प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राएं अपना शुल्क जमा कर दें। छात्र–छात्राओं की सुविधानुसार नैनीताल बैंक की शाखा परिसर में ही शुल्क जमा कर रही है।

जीजीआईसी में आपदा से बचाव का प्रशिक्षण दिया

चम्पावत। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ अकादमी नैनीताल ने जीजीआईसी में दो दिवसीय विद्यालय सुरक्षा कार्य योजना का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में 48 शिक्षकों के साथ ही 50 छात्राओं ने हिस्सा लिया। डॉ. मनु पांडे ने विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना के महत्व के संबंध में जानकारी दी। डॉ.ओम प्रकाश, सीईओ आरसी पुरोहित ने कई जानकारियां दी। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के महानिदेशक भगवती प्रसाद पांडे, संयुक्त निदेशक प्रकाश चंद्र का प्रशिक्षण शिविर के लिए आभार जताया।

इस अवसर पर आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ से डॉ. रघुनंदन सिंह, प्रधानाचार्य भुवनेश्वरी फोनिया, डॉ.मंजू पांडे मौजूद रहे। प्रशिक्षण में जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. यस मोहन ने प्राथमिक उपचार के विषय में जानकारी दी।

आवेदनों को अधिक समय तक लंबित न रखा जाय: जिलाधिकारी

अल्मोड़ा। जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति (डीएलआरसी) की त्रैमासिक बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय के सभागार में जिलाधिकारी विनीत तोमर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023–24 की वार्षिक ऋण योजना, ऋण जमा अनुपात, राज्य प्रायोजित विभिन्न विभागीय योजना की प्रगति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से सम्बन्धित योजनावार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिये कि वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु सभी बैंक वार्षिक कार्य योजना को ध्यान में रखते हुए जिले का ऋण जमा अनुपात को कम से कम 50 प्रतिशत लक्ष्य आगामी बैठक में पूर्ण कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य प्रायोजित जो भी योजनाएं जनपद में संचालित हैं, उन योजनाओं में सम्बन्धित विभागों द्वारा वित्तीय वर्ष में जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसे ध्यान में रखते हुये अधिक से अधिक लोगों को बैंक के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करें।जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिये है कि विभागों से प्राप्त आवेदनों का निस्तारण तत्काल कर दिया जाय जिन आवेदनों में आपत्तियां हैं उन्हें तत्काल सम्बन्धित विभाग को हस्तान्तरित कर दिया जाए। किसी भी दशा में आवेदनों को अधिक समय तक लंबित न रखा जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देश दिये कि 30 दिन से अधिक लंबित आवेदन पत्रों को आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने जागेश्वर मंदिर के आस–पास एटीम लगाने के निर्देश प्रबन्धक एसबीआई अल्मोड़ा को दिए। समीक्षा के दौरान वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड से सम्बन्धित लम्बित आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश मुख्य कृषि अधिकारी दिये।

भाजपा अल्मोड़ा नगर मंडल ने किया वृक्षारोपण

अल्मोड़ा। भाजपा नगर मंडल अल्मोड़ा द्वारा हरेला पर्व से चल रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पांडेखोला स्थित दीनदयाल पार्क में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से नगर मंडल भाजपा द्वारा प्रकृति को हरा–भरा करने का संदेश दिया गया। नगर मंडल द्वारा नगर के समस्त 35 बूथों में इस कार्यक्रम को किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पांडेखोला स्थित दीनदयाल पार्क में वृक्षारोपण का एक वृहद कार्यक्रम नगर मंडल द्वारा किया गया। भाजपा नगर अध्यक्ष अमित साह मोनू ने कहा कि वृक्षारोपण के माध्यम से हम जल,जंगल, जमीन को सुरक्षित करने के साथ–साथ अच्छे वातावरण, शुद्ध हवा, पानी को भविष्य के लिए संचित करके रख रख सके इसके लिए हम प्रयत्नरत हैं।वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री गोविंद पिलख्वाल, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि रौतेला, कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन ललित लटवाल, जिला महामंत्री धर्मेंद्र बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष कैलाश गुरुरानी, पूर्व जिला महामंत्री महेश नयाल, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लता पांडे, आईटी के जिला संयोजक गोविंद मटेला, सागर गंगोला, जिला मंत्री महेश बिष्ट, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट, जगत तिवारी, विनीत बिष्ट, नगर महामंत्री मनोज जोशी, अर्जुन बिष्ट, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष उषा शर्मा, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष भावना तिवारी, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष राजा खान, आशीष गुरुरानी, जगदीश नगरकोटी, दीप्ति बोहरा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंचायत घर टूटने की झूठी सूचना देने पर मुकदमा

चम्पावत। विकास खंड लोहाघाट के मजपीपल में पंचायत घर टूटने की झूठी सूचना देने पर एक व्यक्ति के खिलाफ मुदकमा दर्ज हो गया है। मामले की पुलिस जांच कर रही है। ग्राम पंचायत अधिकारी दिनेश सिंह बिष्ट ने पंचेश्वर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि गांव के जोगा सिंह ने बारिश के दौरान मजपीपल गांव में पंचायत घर टूटने की झूठी सूचना आपदा प्रबंधन को दी गई थी। जांच में पंचायत घर के टूटने की सूचना अफवाह निकली। कोतवाल इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जोगा सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 177 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सड़क नहीं तो वोट भी नहीं

रुद्रपुर। गांव दुर्गापुर में मंगलवार को जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर लोगों ने विरोध जताया। मुखर हुए लोगों ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सड़क नहीं तो वोट भी नहीं देंगे। सभी ने चुनाव का बहिष्कार कर वोट न देने की बात कही। लोगों ने बताया कि दुर्गापुर तथा बुकसौरा गांव में 400 से अधिक परिवार है। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। बताया कि जाफरपुर दिनेशपुर मार्ग से दुर्गापुर, बुकसौरा, पंचानंनपुर तक जाने वाली सड़क पिछले 15 साल से ज्यादा समय से टूटी पड़ी है। गांव वाले इस सड़क को बनाने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। आज तक सड़क नहीं बन पाई। बरसात के समय सड़क बदहाल हो जाती है। ऐसे में अब ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का मन बना लिया है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान भाजपा विधायक शिव अरोड़ा ने सड़क बनाने का आश्वासन दिया था। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है जल्द से जल्द सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो गांव में किसी भी राजनीतिक पार्टी को चुनाव के दौरान प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। यहां हरि कुमार, शिवकुमार, गणेश गोलदार, गोविंद गोलदार, मुकेश कुमार, हरीश कुमार, जगदीश, सुरेश, रतन कुमार, सुकांत कुमार, कमलेश, मोहन, सूरज मौजूद रहे।

दुर्गापुर–बुकसौरा मार्ग का जल्द कायाकल्प होगा। इसका प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है। –शिव अरोरा, विधायक, रुद्रपुर।

पूर्व विधायक के कार्यकाल में राज्य मार्ग से दुर्गापुर गांव तक सड़क की स्वीकृती मिली थी, बुकसौरा तक सड़क बननी है। जल्द निर्माण न हुआ तो ग्रामीण आन्दोलन को बाध्य होंगे। –गगनदीप सिंह, प्रधान प्रतिनिधि बुकसौरा ।

उपनल कर्मचारियों का धरना रहा जारी

बागेश्वर। सेवा विस्तार की मांग को लेकर उपनल कर्मचारियों ने मंगलवार कलक्ट्रेट में धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार उन्हें सेवा विस्तार देने का आश्वासन तो दे रही है, लेकिन विस्तार आज तक नहीं हो पाया है। वह चार महीने से बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं।

शराब के खिलाफ थ्वालखेड़ा की महिलाओं ने खोला मोर्चा

चम्पावत। थ्वालखेड़ा गांव की महिलाओं ने शराब के खिलाफ मोर्चा खोला। इस दौरान गुस्साए महिलाओं ने गांव की दुकानों का घेराव कर अवैध तरीके से शराब बेचने का अरोप लगाते हुए विरोध किया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं का गुस्सा शांत कर एक दुकान बंद कराई। सोमवार देर शाम थ्वालखेड़ा गांव की महिलाओं ने शराब बेच रहे गांव की दुकानों के खिलाफ आवाज उठाई। गुस्साए महिलाओं की दुकानदारों से जमकर नोकझोंक हुई। महिलाओं का कहना है कि गांव में खोली गई दुकानों की आड़ में शराब का अवैध करोबार किया जा रहा है। इससे युवा पीढ़ी बर्बादी की ओर जा रही है। साथ ही शराब पीकर जा रहे लोग घरों में झगड़ा कर रहे हैं। महिलाओं ने शराब बेचने वाले लोगों को दो टूक चेतावनी भी दी। ग्राम प्रधान दीपा बोहरा ने बताया कि महिलाओं की गांव के दुकानदारों से झड़प भी हुई। इसकी जानकारी तुरंत बूम चौकी में दी गई। बूम चौकी प्रभारी सोनू बोहरा ने बताया कि मौके पर दुकानों में चेकिंग की गई। लेकिन किसी भी दुकान से शराब नहीं मिली। ग्रामीणों के कहने पर एक दुकान को बंद कराया गया।

31 जुलाई तक लें मास्टर डिग्री में दाखिला

हल्द्वानी। इग्नू के जुलाई 2023 सत्र में भूगोल और भू–सूचना विज्ञान विषय में मास्टर डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश शुरू हो गए हैं।

भाविप की महिला शाखा ने छात्रों को सिखाये योग और प्रणायाम

रुद्रपुर। भारत विकास परिषद महिला शाखा ने सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों को योग कराया और उसके बारे में जागरूक किया। योग प्रशिक्षक सुधा जिंदल ने प्राणायाम, कपालभाति, अनुलाम विलोम, सूर्य नमस्कार, भ्रामरी सिखाया। महिला अध्यक्ष सीमा सिंघल ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी बताई। यहां सरोज कंसल, संगीता मित्तल, सीमा गोयल, कोमल मित्तल, पूनम झिंझीरिया, प्रांतीय महासचिव नरेश कंसल, संरक्षक पवन बड़सीवाल, प्रांतीय मीडिया प्रभारी महेश मित्तल, प्रकल्प संयोजक शिवपाल सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष मनीष मित्तल, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह बिष्ट, बल्लभ गहतोड़ी, मनोज राणा, अमरजीत सिंह, सोनी दुर्गापाल, कन्या राणा, रेखा गंगवार मौजूद रही।

बिना पुलिस सत्यापन रह रहे गैर राज्य के 16 लोग गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जनपद के एसएसपी रामचन्द्र राजगुरु द्वारा जनपद में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु समस्त थाना प्रभारियों को अपने–अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत निरन्तर सत्यापन अभियान चलाकर बाहरी व्यक्तियों का शत–प्रतिशत सत्यापन कराने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। सोमवार 17 जुलाई को थानाध्यक्ष धौलछीना सुशील कुमार के नेतृत्व में धौलछीना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र सेराघाट में वृहद सत्यापन अभियान चलाया गया। जिस पर धौलछीना पुलिस द्वारा सभी 16 व्यक्तियों को पुलिस एक्ट के तहत गिरफ्तार करते हुए चालानी कार्यवाही की गयी, साथ ही उक्त व्यक्तियों को बिना पुलिस सत्यापन के अपने मकान में किराएदार रखने पर सम्बन्धित 02 मकान मालिकों पर पुलिस एक्ट के तहत 10–10 हजार रुपये के कोर्ट चालान की कार्यवाही की गई। इसके उपरांत पुलिस टीम द्वारा स्थानीय लोगों को किरायेदार सत्यापन के प्रति जागरूक करते हुए बिना पुलिस सत्यापन के अपने मकान में किरायेदार रखने पर मकान मालिक के विरुद्ध होने वाली चालानी कार्यवाही की जानकारी देकर बिना सत्यापन के किरायेदार नही रखने की सख्त हिदायत दी गई।

डीडीए समाप्ति को सर्वदलीय संघर्ष समिति का धरना जारी

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग पर अड़ी सर्वदलीय संघर्ष समिति अल्मोड़ा ने मंगलवार को फिर गांधी पार्क अल्मोड़ा में धरना–प्रदर्शन किया। समिति द्वारा डीडीए की समाप्ति की मांग को प्रत्येक मंगलवार को 02 घंटे का धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। वक्ताओं ने आक्रोश जताया कि लंबे समय से आंदोलन चल रहा है, लेकिन सरकार सुध नहीं ले रही। धरने में शामिल लोगों ने डीडीए व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गुस्सा उगला। समिति के संयोजक एवं पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी ने कहा कि संघर्ष समिति पिछले सालों से डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी करने की मांग उठाते आ रही है, लेकिन सरकार के कान में जूं नहीं रेंग रही। उन्होंने कहा कि डीडीए के चक्कर में फंसकर जनता कई परेशानियों का सामना कर रही है,

एमबीपीजी और महिला कॉलेज में 700 को मिला दाखिला

हल्द्वानी। डिग्री कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। दिनभर तेज बारिश के बावजूद एमबीपीजी और महिला कॉलेज में छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में दाखिला लेने पहुंचे। दोनों कॉलेजों में अब तक करीब 700 को दाखिला मिल चुका है। एमबीपीजी कॉलेज में पूर्व में जारी पहली मेरिट सूची के अनुसार स्नातक प्रथम सेमेस्टर की 3120 सीटों पर दाखिले होने हैं। मेरिट में जगह बनाने वाले सभी छात्र–छात्राओं को 14 से 19 जुलाई तक अपने शैक्षणिक दस्तावेजों को कॉलेज में सत्यापित कराना है।

गैरगाड़ में हुआ जन संघर्ष समिति का जनमिलन कार्यक्रम

बागेश्वर। जन संघर्ष समिति ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जनमिलन कार्यक्रम शुरूकिया है।

मंगलवार को रीठाबगड़ के गैरगाड़ में कार्यक्रम आयोजित हुआ। काफलीगैर के प्रधान प्रतिनिधि नंदन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में समिति ने आईटीआई और डिग्री कॉलेज खोलने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि कॉलेज बनने से क्षेत्र के निर्धन छात्र–छात्राओं का लाभ मिलेगा। बैठक में निर्मला देवी, महेंद्र प्रसाद, महेश प्रसाद, मनोज लोहनी, भारत भूषण रौलेता, गोविंद राम, महेश मिश्रा, नरेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

बिड़ला परिसर छात्र संघ अध्यक्ष सहित छः छात्रों पर मुकदमा दर्ज

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर छात्रसंघ अध्यक्ष सहित छः छात्रों पर एक छात्र के साथ मारपीट मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

छात्रसंघ अध्यक्ष व उसके साथियों पर पीड़ित ने जान से मारने की धमकी देने व गाली गलौज करने का आरोप लगाया है। मामले की विवेचना पुलिस चौकी प्रभारी श्रीकोट लक्ष्मण सिंह कुंवर को सौंपी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर में अध्ययनरत छात्र महिपाल सिंह बिष्ट निवासी स्वाड़, थराली चमोली गत 12 जुलाई की शाम को गोला बाजार से कोतवाली रोड की ओर आ रहा था। इसी दौरान छात्रसंघ अध्यक्ष व कुछ अन्य छात्रों की महिपाल के साथ किसी बात को लेकर बहस हो गई। जिसके बाद उनके बीच मारपीट हो गई। लोगों के बीच-बचाव में आने के बाद मामला शांत हुआ। पीड़ित महिपाल ने कोतवाली श्रीनगर में छात्रसंघ अध्यक्ष सहित छः छात्रों के खिलाफ तहरीर दी है। जिस पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है। कोतवाली निरीक्षक श्रीनगर रवि सैनी ने बताया कि बिड़ला परिसर श्रीनगर के छात्रसंघ अध्यक्ष गौरव मोहन नेगी, सूरज कंडारी, हिमांशु पंवार, कैलाश नगवाल, अभिषेक, राज कोहली के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की विवेचना चौकी प्रभारी श्रीकोट लक्ष्मण सिंह कुंवर को सौंपी गई है। मामले में जल्द ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

सेवानिवृत्त शिक्षक नैथानी का किया नागरिक अभिनंदन

श्रीनगर गढ़वाल : शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार (वर्ष 2013) व शैलेश मटियानी पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक व कवि नीरज नैथानी का राजकीय हाईस्कूल बिझौली नारसन रूड़की हरिद्वार से प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त होने पर श्रीनगर में नागरिक अभिनंदन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने शिक्षा के क्षेत्र में उनकी 40 वर्ष की सेवाओं की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि नैथानी एक प्रतिष्ठित शिक्षक के साथ-साथ राष्ट्रीय फलक पर स्थापित कवि व रंगकर्मी भी रहे हैं, उन्होंने हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनारों व काव्य गोष्ठियों में प्रतिभाग करते हुए राज्य को गौरवान्वित किया। उन्हें साहित्य साधना के लिए पंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार, हिंदी भूषण सम्मान, हिंदी गौरव, हिंदी सेवा सम्मान आदि प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया साथ ही उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन व विभिन्न नामचीन साहित्यकारों की पुस्तकों की समीक्षा भी की। नैथानी ने अपनी साहित्यिक यात्राओं एवं उपलब्धियों का श्रेय अपने माता-पिता, गुरु के साथ श्रीक्षेत्र श्रीनगर के प्रसिद्ध सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव, कटकेश्वर महादेव (घसिया महादेव) व मां धारी के आशीर्वाद को दिया। मौके पर साहित्य, रंगकर्म व अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग मौजूद रहे। (एजेंसी)

प्रत्येक रविवार को होगी समिति की वर्चुअल बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कल्याण समिति उत्तराखण्ड की वचुअल बैठक टेचन कुमार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक रविवार को समिति की वर्चुअल बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में फेडरेशन अध्यक्ष उत्तराखण्ड को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पद के आगे प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी लेबल-2 के पद स्वीकृत कराने, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद के कार्य दायित्वों, पद का गजट नोटिफिकेशन एवं कामन सेवा नियमावली शासन से स्वीकृत कराने की एक सूत्री मांग सौंपा गया। फेडरेशन के अध्यक्ष ने कहा कि समिति फेडरेशन के अधीन ही कार्य करेगी। फेडरेशन मूल संगठन है। बैठक में संजय कुमार नेगी, पदम सिंह नेगी, कुलदीप सिंह, आलोक रावत, सतीश जोशी, कैलाश चौधरी, दिनेश चन्द्र, मोहन लाल, सूरत सिंह पंवार, श्रीमती ऊषा रानी, जलम दास, श्रीमती देवकी बिष्ट, विमल चन्द्र नौटियाल, विजय सिंह रावत, प्रेम सिंह, एसएन कुकरेती, हेमेन्द्र जोशी, श्रीमती लता रौतेला, सुरेश चन्द्र कश्यप, डीपी जोशी, हर्ष सिंह बिष्ट, धीरेन्द्र पाठक आदि मौजूद थे।

कैम्प्टी–मसूरी–देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग तीन घंटे रहा बंद

नई टिहरी : भारी बारिश के चलते कैम्प्टी–मसूरी–देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगह मलबा आने से बाधित रहा। राजमार्ग के सिया गांव, होटल सुरभि, कैम्प्टी फॉल, मसूरी बैंड के पास पेड़ गिरने से 3 घंटे बंद रहा।

जल संरक्षण हेतु विस्तृत प्लान के साथ सेचुरेशन मॉडल पर काम करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : डीएम ने कहा कि जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और भूगर्भीय जलस्तर में वृद्धि के लिए जुलाई से सितंबर तक मुख्यमंत्री जल संरक्षण एवं संवर्द्धन अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत सभी रेखीय विभागों द्वारा समन्वित रूप से ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में जल संग्रहण हेतु चाल खाल, चेकडैम, खंती निर्माण और जल संवर्धन प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। डीएम ने कहा कि ग्राम पंचायत एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण हेतु एक विस्तृत प्लान के साथ सेचुरेशन मॉडल पर काम किया जाए। ताकि इसके अच्छे परिणाम मिल सके।मुख्यमंत्री जल संरक्षण एवं संवर्द्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित विभागों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण और जल संवर्धन प्रजाति के वृक्षारोपण हेतु विस्तृत प्लान तैयार करते हुए शीघ्र इस दिशा में काम शुरू किया जाए। चेकडैम, चाल खाल, खंती निर्माण और पौधरोपण के लिए लक्ष्य तय करते हुए निर्धारित प्रारूप में तत्काल इसकी सूचना दें। सार्वजनिक एवं वन क्षेत्रों में बायो फेंसिंग विधि अपनाते हुए जल संवर्धन प्रजाति के पौधों लगाए जाए। इसमें स्थानीय लोगों और गैर सरकारी संगठनों को भी शामिल किया जाए। बैठक में उप वन संरक्षक सर्वेश कुमार दुबे, उप वन संरक्षक इन्द्र सिंह नेगी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, परियोजना निदेशक आनंद सिंह सहित कृषि, उद्यान, पेयजल, सिंचाई, शिक्षा, पंचायती राज एवं नगर निकायों के अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए जन जागरूकता रैली

पौड़ी : पाबौ के विभिन्न राजकीय प्राथमिक, जूनियर, हाईस्कूल व इंटरमीडिएट कालेज के साथ शैक्षिक परिसरों में हरेला पर्व के तहत व्यापक स्तर पर आम, माल्टा, अखरोट, जामुन, देवदार, काफल के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्र-छात्राओं के साथ ही शिक्षक-शिक्षिकाओं, वन कर्मियों ने जनजागरुकता रैली भी निकाली।

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी पाबौ अमित चौहान ने प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आहवान भी किया। इस दौरान बताया गया कि 23 जुलाई तक पर्यावरण संरक्षण हेतु राज्य की संस्कृति पर आधारित हरेला पर्व मनाया जा रहा है। सभी ने रोपे गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरुकता रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में संकुल प्रभारी गिंठाली प्रदीप रावत, संकुल प्रभारी घंडियाल जगदीप राणा के साथ ही वन विभाग के कार्मिक आदि शामिल रहे।

मोक्ष नदी के तटबंध टूटे, गौशाला व घराट क्षतिग्रस्त

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बीती रात हुई मूसलाधार बारिश से मोक्ष नदी के तटबंध टूट गए, जिससे सेरा गांव में कृषि भूमि तथा कुछ गोशाला व घराट क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि बीती रात सड़क के मलबे से मोक्ष नदी ने अपना रास्ता बदल दिया, जिससे नंदानगर के सेरा गांव में बड़ी मात्रा में कृषि भूमि को नुकसान हुआ और एक घराट का आधा हिस्सा भी टूट गया, जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। नदी के तेज बहाव देखते हुए ग्रामीण अपने बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए, हालांकि कई मकानों को खतरा उत्पन्न हो गया है।

तीर्थयात्रियों को बीकेटीसी निःशुल्क आवासीय सुविधा देगी

रुद्रप्रयाग : बरसात के मौसम में सड़क मार्ग बंद होने की स्थिति में अब तीर्थयात्रियों को बदरी-केदार मंदिर समिति के विश्रामगृहों में निःशुल्क आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अग्रिम आदेशों तक सभी विश्राम गृहों में आदेश का पालन करने को कहा है। बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में मानसून काल में भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु भगवान बदरीनाथ व केदारनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे हैं। भारी वर्षा के कारण कई बार सड़क मार्ग बाधित हो रहे हैं ऐसी स्थिति में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही कई यात्रियां को आवासीय सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। बीकेटीसी अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भी निर्देश हैं कि बरसात के दौरान सड़क बाधित होने पर तीर्थयात्रियों की हर संभव मदद की जाए। कहा कि बदरीनाथ व केदारनाथ यात्रा के दौरान मार्ग बाधित होने पर तीर्थयात्रियों को आवास संबंधी दिक्कत न हो इसके लिए मंदिर समिति ने यह कदम उठाया है। बताया कि आदेश के मुताबिक सड़क बाधित होने पर यात्रा मार्गों पर स्थित बीकेटीसी के सभी विश्राम गृहों में अग्रिम आदेशों तक तीर्थयात्रियों को निःशुल्क आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। (एजेंसी)

समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर डीएम से मिले कांग्रेसी

नई टिहरी : जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जनपद की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर डीएम मयूर दीक्षित से मुलाकात कर कार्यवाही मांग की। कांग्रेस शिष्टमंडल ने डीएम को आश्वस्त किया कि जनपद के विकास में कांग्रेस एक जिम्मेदार प्रतिपक्ष होने के नाते हमेशा प्रशासन का सकारात्मक सहयोग करेंगी। डीएम से मुलाकात करने वालों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ममता उनिया, अनिता रावत, सैयद मुसर्रफ अली, देवेंद्र नौडियाल, मुरारीलाल खंडवाल, जिपंस जयवीर सिंह रावत, गीताराम गैरोला, मान सिंह रौतेला, भरत सिंह बुटोला, विनोद रावत आदि शामिल रहे।

देवप्रयाग में उफान पर आई अलकनंदा, नदी किनारे रहने वालों को किया अलर्ट

नई टिहरी : श्रीनगर बांध परियोजना से मंगलवार को तीन दिनों में ही दोबारा पानी छोड़े जाने से देवप्रयाग में अलकनंदा खतरे के निशान तक पहुंच गई। श्रीनगर बांध से 3 हजार क्यूमैक्स पानी छोड़े जाने से देवप्रयाग में अलकनंदा का जलस्तर 463 मीटर तथा भागीरथी भी 462 मीटर तक आ गई। जबकि गंगा 460 मीटर के निशान पर बहती दिखी। जो खतरे के निशान से दो मीटर नीचे है। लगातार बारिश से श्रीनगर बांध परियोजना का जल भराव चेतावनी स्तर पहुंचने के बाद यहां से मंगलवार को 3 हजार क्यूमैक्स पानी छोड़ा जाने लगा। इससे अलकनंदा में सुबह साढे 9 बजे से जलस्तर बढ़ने लगा। जो दोपहर दो बजे तक खतरे के निशान 463 मीटर तक पहुंच गया। इसके बाद जल स्तर शाम तक इसी पर बना रहा। पानी बढ़ने से अलकनंदा टोडेश्वर टापू को पार कर बहने लगी। जबकि यहां से संगम की ओर बन रहे पुल की साइट भी इससे डूब गई। संगम पर मां गंगा में हनुमान जी आदि की मूर्तियां भी जल मग्न हो गई। वहीं यहां विदेशी लोग संगम पर गंगा में डुबकी लगाते भी दिखे। तहसीलदार मानवेंद्र वर्तवाल के अनुसार, श्रीनगर बांध से पानी छोड़े जाने की सूचना आने के बाद नदी किनारे रहने वालो को लगातार अलर्ट किया जा रहा है।

आईटी कांग्रेस के प्रदेश संयोजक बनें टिहरी के शुभम

नई टिहरी : उत्तराखंड प्रदेश आईटी कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष विकास नेगी ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी आईटी प्रकोष्ठ के चेयरमैन सुप्रिया स्रेत की संस्तुति पर अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। जिसमें टिहरी जनपद से शुभम राणा को प्रदेश संयोजक और दीपचंद सजवान (नैनबाग), नंदकिशोर नौटियाल (थत्यूड़), शिवम चमोली (प्रतापनगर) व उपेंद्र पवार (सकलाना) को प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है।

जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा ने यह जानकारी देते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए यह उम्मीद जताई कि आईटी विभाग में नौजवानों को प्रदेश में श्रेष्ठ दायित्व मिलने के बाद सभी नौजवान आईटी के माध्यम से कांग्रेस पार्टी की रीति और नीति को जन-जन तक पहुंचाने के साथ वर्तमान में तथा कथित डबल इंजन की सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनमानस के सामने उजागर करेंगे। कहा भारत रत्न राजीव गांधी ने जो 21वीं सदी का संचार क्रांति का सपना देखा था वह आज संपूर्ण रूप से साकार हुआ है, लेकिन हमारे नौजवान पार्टी हित में इसका ठीक तरीके से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई की भाजपा की ट्रोल आर्मी दिन भर में कई फेक न्यूज नौजवानों को बरगलाने के लिए लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से भेजते रहते हैं। आने वाले समय में हमारे आईटी प्रकोष्ठ के नौजवान आईटी के माध्यम से इसका करारा जवाब देंगे। (एजेंसी)

उपपा का प्रदेश सम्मेलन 24 जुलाई से गैरसैंण में

चमोली : उत्तराखंड़ परिवर्तन पार्टी (उपपा) की प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आगामी 24 एवं 25 जुलाई को गैरसैंण के रामलीला मैदान में आयोजित होगा। बैठक में पार्टी के प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेता प्रतिभाग करेंगे।

यह जानकारी उपपा के केंद्रीय कार्यकारणी सदस्य जसवंत सिंह बिष्ट ने दी। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मण्डल के द्वारा पे एण्ड यूज, शौचालय (ओ0 एण्ड एम0) एवं पार्किंग के कार्य को आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलीयां www.ireps.gov.in पर दिनांक–02.08.2023 को आमंत्रित की जाती है. जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

2222/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भूस्खलन की भेंट चढ़ा प्राथमिक विद्यालय छिनका का भवन

चमोली : चमोली जिले के दशोली विकास खंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय छिनका विद्यालय भवन भूस्खलन की भेंट चढ़ गया है। निर्माणाधीन सड़क के मलबे से विद्यालय भवन के कक्षों की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे कक्ष मलबे से भर गए हैं। इस प्राथमिक विद्यालय में 43 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। सोमवार रात को आई भारी बारिश के दौरान विद्यालय की दीवारें भी ढह गई। जिससे दो कक्षों में मलबा भर गया हैं। विद्यालय भवन को भी भूस्खलन से खतरा बना हुआ है। विद्यालय का बरामदा और एक कक्ष सही हालत में हैं। इन्हीं बचे खुचे कमरों में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानाध्यापक कुलदीप रावत ने कि विद्यालय भवन की दीवार गिरने की सूचना शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। सामाजिक कार्यकर्ता बच्चीराम उनियाल व अभिभावक संघ के अध्यक्ष विवेक सती का कहना है कि निर्माणाधीन सडक से आ रहे मलबा, बोल्डरों और भूस्खलन से विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता में है। निर्माणाधीन सड़क का पानी व मलबा भारी बारिश के कारण स्कूल के ऊपर से बहकर आ रहा है। ग्रामीणों ने कहा इसके लिए सड़क की निर्माण दायी संस्था से भी जवाब लिया जायेगा।

दीवार एवं गौशाला टूटी, चार मवेशी दबे

चमोली : इन दिनों बारिश लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। सोमवार रात भर हुई तेज बारिश के कारण केवर तल्ला के उकाल्यूं तोक में भवानी लाल के घर के आगे की दीवार भरभराकर टूट गई। जिसकी चपेट में आकर कमला लाल की गौशाला पूरी तरह जमींदोज हो गई और उनके तीन गाय और एक बछड़ा मलबे में दब गए। यह घटना मगलवार सुबह लगभग तीन बजे की बताई जा रही है। बारिश और भूस्खलन के कारण यहां पर कई घरों पर दरारें पड़ने से यहां रहने वालें परिवारों में भय का माहौल बना हुआ है। भवानी लाल के घर की आगे की दीवार टूटने से उनका घर भी खतरे की जद में आ गया है। पीड़ितों की सूचना पर राजस्व विभाग और एसडीआरएफ और पशुपालन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ मलबे में दबे जानवरों को निकालने का प्रयास कर दो गायों को बचा लिया गयी जबकि दो और जानवरों को मलबे से निकालने का प्रयास जारी है। राजस्व उपनिरीक्षक जगदीश चन्द्र ओलिया ने कहा कि दबे हुए जानवरों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं और जिन दो गायों को बचाया गया है वह गंभीर रूप से घायल है। पीड़ित परिवार को उनके जानवरों का मेडिकल आदि करने के उपरांत देवीय आपदा के तहत नियमानुसार मुआवजा दिए जाने की प्रक्रिया को अमल में लाया जाएगा। इस अवसर पर पशुधन सेवक त्रिलोक सिंह राणा, नरेंद्र सिंह, एसडीआरएफ टीम लीडर हर्षवर्धन आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई–टेंडर संख्या जिनके बंद होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किए जायेंगे। निम्नलिखित टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगा। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	105-DRM-MB-23-24 Date: 18.07.2023	106-DRM-MB-23-24 Date: 18.07.2023
कार्य का नाम	Provision of 3m wide FOB and development of 2nd entry at Bijnor railway station in the section of SSE/W/CPS and provision of 3m wide FOB at Gajraula outside to outside and landing on each platform in the section of SSE/W/GJL under the jurisdiction of ADEN/GJL.	Amrit Bharat Station scheme: Upgradation, provision of foot over bridge and high level PF and other related works at Seohara Station of Moradabad division.
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	10.08.2023 (16:00 hrs.)	10.08.2023 (16:00 hrs.)
अनुमानित लागत	₹2,67,67,007.65	₹9,98,43,065.69
धरोहर राशि	₹2,83,800.00	₹6,49,200.00
टेंडर फार्म की लागत	0.00	0.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	08 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	27.07.2023	27.07.2023

टेंडर नं. DEN-IV/Publication/23 दिनांक: 18.07.2023 2224/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शिक्षा मंत्री, डॉक्टर और एमबीबीएस के छात्रों ने रोपे पौधे

श्रीनगर गढ़वाल : हरेला पर्व पर शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने मेडिकल कॉलेज परिसर में डॉक्टरों एवं एमबीबीएस छात्रों के साथ अलग-अलग प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इस दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को रोपे गए पौधों की देखभाल करने के निर्देश भी दिए। दूसरी ओर एंजेल्स हेवन स्कूल में मंगलवार को विद्यालय परिवार ने आम, अमरूद, पपीता और जामुन के पौधों का रोपण किया। स्कूल की प्रधानाचार्य विभा भट्ट व प्रबंधक आरपी भट्ट ने हरेला पर्व का महत्व बताते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की प्रेरणा दी। पर्व में परिष्कारम विद्यालय श्रीकोट के छात्रों व शिक्षकों ने स्टेडियम में पौधरोपण किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र बर्त्वाल ने बच्चों को अपने जन्म दिवस के अवसर पर एक-एक पौधा रोपण कर करने के लिए प्रेरित किया। वहीं गढ़वाल विवि के पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से चौरास परिसर में वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण की शपथ ली। विभागाध्यक्ष प्रो. आरके मैखुरी ने रोपित किए जा रहें औषधीय पादपों के महत्व पर प्रकाश डाला।

ग्राम पंचायत जौला में बैठक 21 जुलाई को

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत जौला में 21 जुलाई (शुक्रवार) को बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का निदान कर शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी।

ग्राउण्ड टेबल से ही पारदर्शिता के साथ खेलों का आयोजन कराएं

नई टिहरी : एडीएम केके मिश्र की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत खिलाड़ियों के चयन ट्रायल्स के लिए गठित समिति के सदस्यों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला कलक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। कार्यशाला में एडीएम मिश्र ने सभी सम्बंधित अधिकारियों व सदस्यों को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में ग्राउण्ड लेबल से ही पारदर्शिता के साथ खेलों का आयोजन कराना सुनिश्चित करें। किसी भी संशय का समाधान सब डिवीजन लेबल कमेटी के संज्ञान में लाकर किया जा सकता है। जिला क्रीड़ा अधिकारी को प्रशिक्षण कार्यशाला के सभी बुलेट वाटसअपर में शेयर करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार पौरी ने बताया कि मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023-24 में जनपद के 8 वर्ष से 14 वर्ष तक (6 वर्गों में) आयु के प्रत्येक आयु वर्ग में 25-25 बालक व बालिका (कुल 300) खिलाड़ियों का चयन कर रू 1500 प्रतिमाह व प्रति सदस्य की दर से छात्रवृत्ति के रूप में दी जायेगी।

छावनी परिषद्, लैन्सडौन

चार्टड एकाउण्टैन्ट अल्प अवधि निविदा

छावनी परिषद, लैन्सडौन को Accrual Based Accounting System (ABAS) संचालन हेतु एक अनुभवी व कुशल Chartered Accountant की मानदेय पर आवश्यकता है। इच्छुक चार्टड एकाउन्टेन्ट ऑनलाइन निविदा www.defproc.gov.in वेबसाइट पर दिनॉक 24 जुलाई 2023 समय 1000 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्न हैः

निविदा फार्म ऑनलाइन भरने की अन्तिम तिथि	24 जुलाई 2023 समय 1700 बजे तक
निविदा फार्म खोलने की तारीख	25 जुलाई 2023 समय 1100 बजे तक
फार्म शुल्क जी0एस0टी0 सहित	500 + 90 = 590
अग्रिम धनराशि	4000

निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें defproc पर देखी जा सकती है बोलियॉ ऑनलाईन भरी जायेगी व अधिक जानकारी के हेतु www.defproc.gov.in पद लागिन कर सकते है।

नोट : सम्बन्धित धनराशि आनलाईन EChhawni Portal के माध्यम से जमा जी जाएगी

मुख्य अधिशासी अधिकारी
छावनी परिषद् लैन्सडौन

सम्पादकीय

"इंडिया" और "एनडीए" की जंग

2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल यूं तो पहले ही बज चुका था, लेकिन सर्वाधिक प्रतीक्षा विपक्ष के उस गठबंधन के अगले चरण को लेकर थी जिसका ताना–बाना पटना में बुना गया था। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र में सामने आए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद विपक्ष की एकता को झटका लगने के बाद यह यह जरूरी हो गया था कि एनडीए को जवाब देने के लिए विपक्ष अपनी एकता का प्रदर्शन करें। इस के लिए बेंगलुरु में एक बार फिर विपक्ष की बिसात बिछाई गई जिसमें 26 विपक्षी पार्टियों ने एक सहमति बनाकर साल 2024 के चुनावों में गठबंधन के भरोसे सत्ता तक पहुंचने की तैयारी शुरू कर दी। आगामी संसदीय चुनावों में अब दो गठबंधनों के बीच मुकाबला नजर आएगा जिसमें "इंडिया" और "एनडीए" की जंग देश में सत्ता के नए समीकरणों का आंकड़ा पेश करेगी। बीजेपी की अगुवाई वाले 'एनडीए' का मुकाबला करने के लिए विपक्ष ने 'इंडिया' नाम से गठबंधन बना लिया है। बेंगलुरु में हुई 26 विपक्षी पार्टियों की बैठक में गठबंधन का नाम "इंडिया" रखा गया। इसका पूरा नाम 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्ल्युसिव अलायंस' है। इधर विपक्ष का कुनबा एक मंच पर एकत्रित हो रहा था तो भला एनडीए भी क्यों पीछे रहता, लिहाजा वहीं, बेंगलुरु से करीब दो हजार किलोमीटर दूर दिल्ली में भी बीजेपी की अगुवाई में "एनडीए" की बैठक भी हो गई जिसमे 38 पार्टियों के शामिल होने का दावा किया गया। अब बैठकर संपन्न हुई तो दोनों ओर से क्रिया प्रतिक्रिया की बयानबाजियां भी सामने आने लगी।

किसी ने गठबंधन को "अवसरवादी" तो कोई "भूत" बोलने से भी पीछे नही हटा, हालांकि यह सब राजनीति की बयानबाजी है जो चुनाव होने तक और चुनाव के बाद भी सुर्खियां बनती रहती हैं। इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम के बीच कई सवाल भी चुनाव संपन्न होने तक उठते रहेंगे जिसमें सबसे बुनियादी प्रश्न यह है कि "क्या एकजुट विपक्ष भाजपा के विजय रथ को रोकने का साहस या फिर रणनीति बना पाएगा"? वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ऐसा क्या नया लेकर मैदान में उतरेगा जो देश की जनता को प्रभाव में ले सके और मतदाताओं का रुझान एनडीए की वजह इंडिया की ओर मुड़ सके। तो वहीं एनडीए के लिए भी सत्ता की पारी दोहराना एक बड़ी चुनौती होगा और इस गठबंधन को 2019 जैसा प्रदर्शन दोहराने के लिए जनता के मन की बात भी टटोलनी होगी। अब रही बात "एनडीए" और "इंडिया" की मजबूती की तो, कहीं ना कहीं भारतीय जनता पार्टी सांसदों की संख्या बल के हिसाब से कही ज्यादा मजबूत है। आज भी सदन में भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए के पास 350 का आंकड़ा है, जबकि बेंगलुरु में "इंडिया" वाले विपक्ष के पास 150 सांसद हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विपक्ष की इस बैठक में शामिल हुई 50% से ज्यादा पार्टियों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व है ही नहीं, अर्थात एक भी सांसद इन पार्टियों का सदन में नही है, हालांकि विपक्ष इस बात को लेकर खुद को सांत्वना दे सकता है कि एनडीए के गठबंधन वाले दल में भी 65% दलों के पास लोकसभा की एक भी सीट नहीं है। सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए "इंडिया" और "एनडीए" अपने अपने दावों और वादों को लेकर मैदान में उतरेंगे लेकिन असली निर्णय तो देश की आम जनता को करना है। २०२४ में जनता तय करेगी कि "इंडिया" या "एनडीए" किसमे दम है जो देश के लोगों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए सड़कों पर उतर कर काम करने का जज्बा रख सकती है।

ट्रेजी–हॉरर पटकथा के एक पात्र भर हैं सीधी के सुकुल : पिक्चर अभी बाकी

सुकुल जैसे अपराधी मंचित पाखण्ड और नेपथ्य की असली व्यवस्था से परिचित हैं – वे बोले जाते रहे संवादों और पटकथा के फर्क और अंतर्संबंधों से वाकिफ हैं। इसलिए वे जानते हैं कि उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री निवास में की गयी पाखण्ड लीला में जो हुआ, उसमें हुए के सन्देश की ख़बरों की पंक्तियों के बीच लिखे को वे भी पढ़ चुके हैं, इसलिए पूरी तरह निश्चिन्त हैं। सीधी में जो हुआ, वह जघन्य और घृणित अपराध शुकुल का था, अपराधी भाजपा संगठन का नेता था, विधायक शुकुल का प्रतिनिधि था, क़ानून व्यवस्था गृहमंत्री का जिम्मा है।

बादल सरोज

सीधी के पेशाब–काण्ड पर अनेक प्रतिक्रियाएं आ चुकी हैं। शब्दों में, भावनाओं में, प्रदर्शनों में आलोचनाओं में, निंदाओं में, भर्त्सनाओं में कुछ ने खूब तिलमिलाहट से, तो कुछ ने किंचित शांत भाव से भाजपा विधायक के प्रतिनिधि भाजपाई नेता के इस जघन्य और घिनौने, पाशविक और अमानुषिक कृत्य को अस्वीकारा है। घटना इतनी बड़ी थी कि सोशल मीडिया पर सिर्फ देश में ही नहीं, दुनिया भर में वायरल हुई, शर्मा–शर्मी में पाताल की गहराइयों तक जा गिरे भारत के मीडिया की देवियों और सज्जनों को भी इसकी खबर चलानी पड़ी। और जैसा कि इन दिनों हो रहा है, सुकुल जी रातोंरात सेलिब्रिटी बन गए –– इठलाते और इतराते हुए पुलिस थाने में एकदम फ़िल्मी अंदाज में एंट्री करके उन्होंने बता दिया कि इस अचानक हासिल नायकत्व का उन्हें भी अहसास है, इसीलिए लज्जा और ग्लानि के मारे झुके–झुके नहीं, गौरव के साथ फूले–फूले फिर रहे हैं। मध्यप्रदेश के सीएम हाउस में इस पर एक पाखण्ड लीला हो चुकी है ; इस सब पर काफी लिखा जा चुका है, यहाँ बात उससे आगे की है। और वह यह कि क्या इतने जबरदस्त और व्यापक, देश और दुनियाव्यापी विक्षोभ के बाद कुछ रुका, कुछ ठिठका, कुछ बदला? नहीं !!

अगले ही रोज मध्यप्रदेश के ही शिवपुरी जिले में एक दलित को मैला – विष्ठा – खिलाने की घटना घटी। खबर है कि इससे आहत उस युवा ने आत्महत्या कर ली है।

एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें जूते में पानी पिलाया जा रहा है और उसी जूते से उसकी पिटाई भी लगाई जा रही है। एक और वीडियो, वह भी मध्यप्रदेश का ही, सामने आया है, जिसमें ऐसे ही एक दलित को कार में बंद कर पीटते हुए उसे पीटने वाले का तलवा चाटने के लिए विवश किया जा रहा है।

एक वीडियो भाजपा के वर्तमान विधायक का सामने आया है, जिसमे वे मोटा डंडा लेकर दलित और आदिवासियों को मारने के लिए दौड़ रहे हैं और उन्हें धमकाते हुए अश्लीलतम गालियों सहित जातिसूचक गालियाँ भी दे रहे हैं।एक घटना एक पत्रकार की है, जिसे अपहरण कर दो दिन तक मारा पीटा गया, फिर उसके पाँव में गोली मार दी गयी।यह वे खबरें हैं, जो पेशाब काण्ड के बाद मतलब पिछले पांचेक दिनों में सामने आयी हैं। कहने का मतलब यह है कि इतना तूमार खड़ा होने के बाद भी बदला कुछ नहीं। बदलना तो खैर बहुत आगे की बात है, कुछ दिन का विराम तक नहीं आया।

इसकी वजह साफ़ है। जो दबंग यह सब कर रहे हैं, वे न केवल अपनी सलामती के प्रति पूरी तरह आश्वस्त है, उन्हें पक्का भरोसा है कि जब सैंया भये कोतवाल तो उनका क्या बिगड़ेगा, बल्कि इससे आगे उन्हें पूरा यकीन है कि वे इस तरह के कारनामों के बाद नायक बन कर ही निकलने वाले हैं, अपने कुनबे में उनका "भविष्य" उज्ज्वल है ।

उनका यह भरोसा, विश्वास, यकीन निराधार नहीं है। सुकुल जी के पेशाब कांड के प्रकरण से जुडी दो खबरें देख कर इसकी ताईद भी हो जाती है। पहली खबर तो अपराधी प्रवेश शुक्ला के घर पर कथित रूप से चले बुलडोजर की है। यहाँ यह साफ़ कर देना जरूरी है कि बुलडोजर इस तरह के या किसी भी तरह के अपराधियों के घर पर नहीं चलने चाहिये। दोषी पाने, सजा देने, न देने का काम न्याय प्रणाली पर ही छोडना चाहिये। मगर इस काण्ड के आरोपी के घर पर चला बुलडोजर सिर्फ टीनशेड, बाउन्ड्री वाल और एक पेड़ पर चलकर लौट गया। आज से पहले कोई बुलडोजर इतना सेलेक्टिव कभी नहीं हुआ। जाहिर है, इसमें उदारता और दयालुता और उसके लाइव दिखाए जाने में एक सन्देश निहित है। इससे आगे की दूसरी खबर यह है कि ब्राह्मण सभा ने इस "पीड़ित" ब्राह्मण परिवार के लिए पैसा इक़ा करने, उसका घर और ज्यादा अच्छा बनवाने और उसका मुकदमा लडने का बीड़ा उठा लिया है। अपने इस इरादे का सार्वजनिक एलान भी कर दिया है – मुहिम शुरू भी कर दी गयी है। यह कथित ब्राह्मण सभा किनकी है, किनसे जुडी है, यह बताने की आवश्यकता नहीं ; जिनसे जुडी है, उनमें से किसी ने भी इन सर-ासर बेहूदा इरादों और उनकी घोषणा की निंदा न करके, इनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू न करवाके जो सन्देश दिया है, वह भी स्पष्ट है। इन दोनों संदेशों की रामबाणी अचूकता से प्रवेश शुक्ला जैसे लोग वाकिफ हैं, क्योंकि यह इस कुनबे की आजमाई हुई विधा है। ओड़िसा के हत्यारे दारासिंह, राजस्थान के कातिल शम्भूदयाल रैगर, पुलिस इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह के हत्यारों से लेकर हेमंत करकरे की हत्या पर जश्न मनाने वालों से होते हुए बिल्किस बानो प्रकरण के मुजरिमों की रिहाई का उत्सव मनाने वालों जैसे ढेरों मामले हैं –– सीधी के सुकुल और शिवपुरी के दबंगों सहित बाकी सब ऐसे–वैसों के हौंसले इन्ही को देखकर बुलंद हैं। जिन्हें लगता था कि ये सिर्फ गोडसे तक रुक जाएंगे, जिन्हें यह भरम था कि गोडसे भर इनकी राजनीतिक वैचारिकी का हिस्सा है, उन्हें समझ आ गया होगा कि इस कुनबे में पोलिटिकल और क्रिमिनल में कोई फर्क नहीं किया जाता ; सही कहें, तो क्रिमिनल ही पोलिटिकल है ।सुकुल जैसे अपराधी मंचित पाखण्ड और नेपथ्य की असली व्यवस्था से परिचित हैं – वे बोले जाते रहे संवादों और पटकथा के फर्क और अंतर्संबंधों से वाकिफ हैं। इसलिए वे जानते हैं कि उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री निवास में की गयी पाखण्ड लीला में जो हुआ, उसमें हुए के सन्देश की ख़बरों की पंक्तियों के बीच लिखे को वे भी पढ़ चुके हैं, इसलिए पूरी तरह निश्चिन्त हैं। सीधी में जो हुआ, वह जघन्य और घृणित अपराध शुकुल का था, अपराधी भाजपा संगठन का नेता था, विधायक शुकुल का प्रतिनिधि था, क़ानून व्यवस्था गृहमंत्री का जिम्मा है। मगर चुनाव सिर पर हैं, इसलिए डैमेज कण्ट्रोल के लिए पीड़ित आदिवासी जशमत के पाँव धोने न तो भाजपा के अध्यक्ष पण्डित वी डी शर्मा आये, ना ही गृहमंत्री पण्डित नरोत्तम मिश्रा पधारे, ना ही उस विधायक पण्डित केदार शुकुल को ही पकडक़र बुलवाया गया, जिसका वह प्रतिनिधि है ; पाखण्ड के ओवरटाइम की इस ड्यूटी पर उन शिवराज सिंह को लगाया गया, जिन्हें मनु–सम्मत वर्णाश्रम शूद्र के सिवा कुछ नहीं मानता !! नेपथ्य में बैठे पाखण्ड की पटकथा के लेखक पूरी तरह चौकस और सजग हैं। भले चुनाव के लिए कितना ही जरूरी हो, मगर तब भी किसी आदिवासी या दलित के पाँव पखारने, उससे माफी मांगने कोई शर्मा, मिश्रा या कोई शुकुल नहीं भेजा गया। भेजा भी कैसे जा सकता है! संस्कारी पार्टी के लिए संस्कार सबसे पहले हैं –– जिस तरह का राज लाना है, वह विचार पहले है। यह ट्रेजी–हॉरर ; डरावनी त्रासदी की पटकथा है । यह अनायास नहीं है, यह अपवाद नहीं है। इसे बहुत धीरज के साथ लिखा और उतनी ही योजना के साथ मंचित किया जा रहा है। ध्रुवीकरण के लिए, ध्रुवीकरण की, ध्रुवीकरण द्वारा बनी इस सरकार और उसके विचार–गिरोह को पता है कि पीड़ित और पीडक़ दोनों को एक साथ कैसे साधा जा सकता है। लिहाजा जुगुप्सा, क्षोभ, रोष, बेचैनी, हतभाव, ग्लानि और शर्म से ज्यादा यह गंभीर चिंता और फ़िक्र की बात है। इसलिए कि सीधी तो सिर्फ झांकी है –– अभी पूरी मनु स्मृति, गौतम स्मृति और नारद संहिता बाकी है। एक घटना को बहाना बनाकर पढने और नौकरी करने वाली महिलाओं के खिलाफ बघनखे तैयार किये जा रहे हैं। सोचने, समझने, न्याय और इंसाफ की बात करने वाले पहले ही राष्ट्रद्रोही घोषित किये जा चुके थे। अब दलितों, महिलाओं और आदिवासियों के खिलाफ आम नफरत पनपाई जा रही है। उन्माद को उग्रता देने के लिए और असली निशानों को बनाकर की जाने वाली हरकतों को छुपाने के लिए कॉमन सिविल कोड को रणभेरी की तरह फूंका जा रहा है। उसकी आड़ में असली एजेंडा आगे बढाया जा रहा है । इसलिए फिर एक बार दोहराने में हर्ज नहीं कि सवाल सीधी के किसी शुकुल के पेशाब काण्ड भर का नहीं है –– सवाल उससे आगे का है।

(लेखक पाक्षिक 'लोकजतन' के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं।

००

राज्यों के बंटवारे को हवा मिलेगी

हरिशंकर व्यास

अनायास नहीं है जो मणिपुर में तीन मई से शुरू हुई हिंसा के दो महीने पूरे होने के बाद राज्य के बंटवारे की मांग तेज हो गई है। ऐसा लग रहा है कि कुछ लोग इस इंतजार में बैठे थे कि राज्य में हिंसा हो और कुकी व मैती समुदाय के बीच तनाव बढ़े तो राज्य के बंटवारे की मांग उठाएं। अब कुकी आदिवासियों के संगठन केआईएम ने अलग कुकी राज्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कुकी और मैती के बीच अविश्वास इतना बढ़ गया है कि अब दोनों साथ नहीं रह सकते हैं। अगर दोनों साथ रहे तो हिंसा चलती रहेगी। ध्यान रहे जहां भी एक बार इस तरह की बात शुरू हो जाती है तो वह बात समाप्त नहीं होती है। वह चलती जाती है और समुदायों के बीच खाई गहरी होती जाती है।

मणिपुर के नगा भाषी लोगों के क्षेत्र को नगालैंड में मिला कर वृहत्तर नगालिम बनाने की मांग दशकों से चल रही है। अलग कुकी राज्य की मांग के साथ ही वृहत्तर नगालिम की मांग तेज हो जाए तो हैरानी नहीं होगी। उधर त्रिपुरा में पहले ही टिपरा मोथा ने अलग राज्य की मांग रखी है। हैरानी की बात है कि टिपरा मोथा के नेता प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन की कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात हुई है। उनकी पार्टी अलग ग्रेटर टिपरालैंड की मांग करती है। पहले भाजपा ने इस मांग को खारिज कर दिया था लेकिन चुनाव के बाद भाजपा ने टिपरा मोथा के साथ तालमेल किया। प्रद्योत देब बर्मन की पार्टी ने भाजपा की सरकार को समर्थन किया। एक दूसरी आदिवासी पार्टी पहले से भाजपा के समर्थन में है। पिछले चुनाव में टिपरा मोथा ने 42 उम्मीदवार उतारे थे और 13 सीटों पर जीत हासिल की। इससे पार्टी नेताओं का हौसला बढ़ा है और वे अलग राज्य की मांग तेज कर रहे हैं।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में भी विभाजन की मांग तेज हो गई है।

भाजपा के एक सांसद ने पहले इसकी मांग की थी, जिसका तृणमूल कांग्रेस ने विरोध किया। अब अलग राज्य के जोरदार समर्थक अनंत राय महाराज को भाजपा ने राज्यसभा भेजा है। ध्यान रहे भाजपा को पश्चिम बंगाल में पहली बार राज्यसभा की सीट मिली तो उसने कूचबिहार के पुराने राजघराने के व्यक्ति अनंत राय महाराज को उम्मीदवार बनाया। उस इलाके में करीब 30 फीसदी राजबंशी समुदाय के लोग हैं, जो अनुसूचित जनजाति के तहत आते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा इस मांग को हवा दे रही है। सोचें, क्या संयोग है कि भाजपा की सरकार में मणिपुर में हिंदू बनाम कुकी आदिवासी का विवाद चल रहा है और अलग आदिवासी राज्य की मांग उठी है। इसी तरह त्रिपुरा में भाजपा की सरकार में अलग आदिवासी राज्य की मांग करने वाली पार्टी भाजपा के साथ है और हिंदुओं से अलग आदिवासी राज्य की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी उत्तरी बंगाल को अलग राज्य बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। भाजपा के एक सांसद ने पहले इसकी मांग की थी, जिसका तृणमूल कांग्रेस ने विरोध किया। अब अलग राज्य के जोरदार समर्थक अनंत राय महाराज को भाजपा ने राज्यसभा भेजा है। ध्यान रहे भाजपा को पश्चिम बंगाल में पहली बार राज्यसभा की सीट मिली तो उसने कूचबिहार के पुराने राजघराने के व्यक्ति अनंत राय महाराज को उम्मीदवार बनाया। उस इलाके में करीब 30 फीसदी राजबंशी समुदाय के लोग हैं, जो अनुसूचित जनजाति के तहत आते हैं। यानी पश्चिम बंगाल के एक हिस्से में भी हिंदू बनाम आदिवासी का विवाद बढ़ रहा है और भाजपा ने आदिवासी समुदाय के अनंत राय महाराज को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है।

ह़ॉलीवुड हड़ताल पर, करों समर्थन!

श्रुति व्यास

हॉलीवुड हड़ताल पर है। फिल्में बनना बंद है। मतलब बची हुई बरसात और आने वाली सर्दियों में नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम पर मुर्दनी छाई रहेगी। नए शो, नई सीरीज नहीं आएंगे। पहले से ही अच्छी फिल्मों के लिए तरस रहे सिनेमाहॉलों की हालत और खराब हो जाएगी।हडताल इसलिए है क्योंकि कई दशक बाद पहली बार हॉलीवुड के लेखक और कलाकार दोनों एक साथ हड़ताल पर है और पिकेटिंग भी कर रहे हैं। कई जानेमाने स्टूडियो बंद हैं क्योंकि उनके और स्क्रीप्ट लेखकों तथा कलाकारों की यूनियनों के बीच समझौता नहीं हो पा रहा हैं।

हो भी कैसे? लेखकों और कलाकारों का कहना है कि उनके करियर खतरे में हैं। तभी सारी–सारी रात मोबाइल में आँखें गड़ाए किसी वेब सीरीज के एक बाद के एक एपिसोड देखने की लोगों की आदत पर खतरा है!

खैर, यह मजाक का मसला नहीं है। हड़ताल का निर्णय सही है। इनमें शामिल हैं स्क्रीन राईटर्स गिल्ड और अमेरिकन फेडरेशन ऑफ़ टेलीविजन एंड रेडियो आर्टिस्ट्स (एसएजी–एएफटीआरए)। इन दोनों के कुल 1,60,000 सदस्य हैं जिनमें कलाकार, स्टंट कोऑर्डिनेटर, वोईसओवर आर्टिस्ट और बैकग्राउंड एक्टर शामिल हैं। दूसरी है द राइटर्स गिल्ड ऑफ़ अमेरिका (डब्ल्यूजीए) जो फिल्म, टीवी, रेडियो और ऑनलाइन कार्यक्रमों के स्क्रिप्ट लेखकों का संगठन है। इनका मुकाबला है अलायन्स ऑफ़ मोशन पिक्चर एंड टेलीविजन प्रोड्यूसर्स (एएमपीटीपी) से, जिसमें डिजनी और पैरामाउंट जैसे भीमकाय स्टूडियो, फॉक्स और एनबीसी जैसे टेलीविजन नेटवर्क और नेटफ्लिक्स तथा अमेजन जैसे ओटीटी की दुनिया के शहंशाह शामिल हैं।

हड़ताल इसलिए शुरू हुई क्योंकि इन तीनों संस्थाओं के बीच बातचीत सिरे नहीं चढ़ी। वार्ताएं फेल हुई। फिल्म स्टूडियो और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों के आकाओं का मानना है कि लेखकों, स्टंट कोऑर्डिनेटरों, कलाकारों और अन्यों, जिनके कारण फिल्में और शो बन पाते हैं, की मांगे नाजायज़ हैं। टेलीविजन सिटकॉम 'द नैनी' के पूर्व स्टार कलाकार फ्रां ड्रेस्चर, जो एसएजी–एएफटीआरए के अध्यक्ष हैं, का कहना है कि कलाकारों की मांगों और सरोकारों पर स्टूडियो के प्रबंधनों की प्रतिक्रिया "अपमानजनक और असम्मानजनक" है।

उनकी ये हिम्मत?

सवाल है हॉलीवुड के कहानी लेखक व कलाकार मांग क्या रहे है? वही जो अधिकांश विवादों की जड़ में होता है झ्र पैसा, और पैसा। पुराने सुनहले दिनों में कलाकार और लेखक सुखी और संपन्न थे। जो काम वे करते थे, उसका पैसा तो उन्हें मिलता ही था, उन्हें 'रेसीड्वेल्स' के ज़रिये भी सतत कमाई होती रहती थी। हॉलीवुड की भाषा में 'रेसीड्वेल्स' का मतलब है पुरानी फिल्मों और टीवी शो का पुनर्प्रसारण। जब भी टीवी नेटवर्क पुनर्प्रसारण करते थे तब पुराने रिटायर्ड लेखकों और कलाकारों के पास चेक पहुँच जाते थे। परन्तु ओटीटी के काल में पुराने और नए शो और फिल्में हम जितनी बार चाहें उतनी बार हमें देखने के लिए उपलब्ध हैं। पुनर्प्रसारण जैसा कुछ अब होता नहीं है। नतीजे में कलाकारों और लेखकों की रेसीड्वेल्स से आमदनी बहुत कम हो गयी है।

"गिलमोर गर्ल्स" नामक एक लोकप्रिय टीवी सीरियल के कलाकार शॉन गन ने धरना स्थल पर हॉलीवुड रिपोर्टर को बताया, "गिल्मोर गर्ल्स सबसे लोकप्रिय टीवी सीरियलों में से एक है। यह लम्बे समय से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है और नेटफ्लिक्स को इससे भारी आमदनी हो रही है। परन्तु उसका ज़रा सा भी हिस्सा मुझे नहीं मिलता।"

बात में दम तो है। हम द ऑफिस, साईनफेल्ट, फ्रेंड्स और दूसरे नामी सीरियल बार–बार, लगातार देख रहे हैं। और इन पुराने शानदार शो के साथ–साथ नए शो और फिल्में देखने के लिए हम नेटफ्लिक्स को 649 रुपये का प्रीमियम चार्ज देते हैं (और भी प्लान हैं)। फिर उसे विज्ञापन भी मिलते हैं। कुल मिलाकर नेटफ्लिक्स की जेब नोटों से लबालब है। पर कलाकारों और लेखकों को एक कौड़ी भी नहीं मिल रही है।

यही कारण है कि इस बार हड़ताल को सभी का समर्थन मिला है। जार्ज क्लूनी और एलेक बाल्डविन जैसे ए–लिस्टर्स (सबसे लोकप्रिय कलाकारों की श्रेणी) ने हड़ताल का समर्थन किया है और जेसन सीडेकस और सूजन सरेंडन उन सितारों में से हैं जो धरना देते नजर आये।'ओपनहाइमर' के सितारे लंदन में हुए फिल्म के प्रीमीयर से इसलिए जल्दी चले गए क्योंकि उन्हें धरने के लिए अपने प्लेकार्ड बनाने थे। जबकि क्रिस्टोफर नोलान (जो ओपनहाइमर, इनसेपशन, डार्क नाईटस और ऐसी ही कई अन्य फिल्मों के निदेशक रहे हैं) ने कहा कि वे हड़ताल खत्म होने तक किसी भी फिल्म का जरा सा भी काम नहीं करेंगे। इस सबका अर्थ यह है कि कोई नई फिल्म नहीं, कोई नया टीवी शो नहीं और कोई एवार्ड फंक्शन भी नहीं।

'सक्सेशन' के सितारे ब्रेयन काक्स ने बीबीसी को बताया कि ''हड़ताल साल के अंत तक जारी रहेगी।" यदि ऐसा होता है तो इंटरनेट के जरिए हम तक पहुँचने वाले कार्यक्रमों पर भी जल्दी ही इसका असर दिखने लगेगा। एचबीओ के चेयरमेन केसी ब्लायस ने वेरायटी को बताया ''हमें 2023 के अंत तक कोई दिक्कत नहीं होगी लेकिन 2024 के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।"इसमें शक नहीं कि हालीवुड की यह हड़ताल ऐतिहासिक है और इससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। कारपोरेट क्षेत्र के दिग्ज और टेक्नोलॉजी कंपनियां जो मनोरंजन उद्योग (और मीडिया उद्योग) के बारे में ज्यादा नहीं जानती, मध्ययुग के नवाब बन गये है जो रचनात्मक कार्य करने वालों और उनकी कृतियों को बहुत कम करके आंकती हैं। वक्त आ गया है कि रचनाकर्मी आवाज उठाएं और अन्य बेजुबानों की हिम्मत बंधाएं।

जहां तक टीवी पर बहुत सारे कार्यक्रम देखने वालों की बात है, उन्हें पुराने धारावाहिकों और रियलटी शोज़ के पुनर्प्रसारण देखकर काम चलाना पड़ेगा। इस बीच मैं भी शायद अपने टाटा स्काई को रिचार्ज करवाउंगी और नेटफ्लिक्स का सब्सक्रिप्शन छोड़ कर किसी कार्यक्रम के तय समय पर टीवी देखने की आदत डालूंगी।

चेहरा धोकर तौलिए से पोंछते हैं आप? जानिए ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए?

स्किन को हेल्दी, सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए हम क्या–क्या नहीं करते. एक से एक महंगे–महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट यूज़ करते हैं. तरह–तरह के लेप और फेस पैक लगाते हैं. कई घरेलू उपाय करते हैं. लेकिन फिर भी कई बार त्वचा से जुड़ी समस्याएं परेशान करने लगती हैं. फिर लोग सोच में पड़ जाते हैं कि इतनी देखभाल करने के बावजूद आखिर कैसे स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं. दरअसल सिर्फ अच्छे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने और फैस पैक लगाने से त्वचा को स्वस्थ नहीं रखा जा सकता. आपको उन गलतियों को भी सुधारना होगा, जो त्वचा को खराब कर रही हैं.

हम त्वचा की देखभाल करते वक्त कुछ ऐसी गलतियां अक्सर कर जाते हैं, जिनकी वजह से हमें स्किन प्रॉब्लम्स होने लग जाती हैं, जैसे– तौलिए का चेहरे पर इस्तेमाल करना. बहुत से लोग मुंह धोने के बाद तौलिए से अपना मुंह पोंछते हैं. कई लोग ऐसे भी हैं, जिनका तौलिया काफी गंदा रहता है, फिर भी वो इसका इस्तेमाल बेफिक्र होकर करते चले जाते हैं. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि तौलिया भी आपको कई स्किन प्रॉब्लम्स दे सकता है.

स्किन में प्रवेश कर सकता है बैक्टीरिया

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्किन एंड सैंक्युअरी की एस्थेटिक थेरेपिस्ट फातमा गुंडुज ने बताया कि तौलिए से चेहरे को पोंछने से स्किन पर बुरा असर पड़ सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि तौलिए में ई.कोली (एस्चेरिचिया कोलाई) जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए जाते हैं. जब आप तौलिए से अपना चेहरा पोंछते हैं तो इसके माध्यम से ई.कोली बैक्टीरिया आपकी स्किन में प्रवेश कर सकता है.

कर्ज का ये बोझ क्यों?

चूंकि यह ऋण संकट ज्यादातर गरीब और विकासशील देशों पर है, इसलिए इस पर अपेक्षित चर्चा नहीं होती। दुनिया के सूचना तंत्र पर धनी पश्चिमी देशों का नियंत्रण है, जिसकी वजह से ये देश विश्व समस्याओं को अपने नजरिए पेश करने में हमेशा सफल रहते हैं। विकासशील दुनिया इस वक्त कर्ज के कैसे बोझ तले दबी हुई है, इसकी एक चिंताजनक तस्वीर अब सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से जाहिर हुआ है कि दुनिया की आधी आबादी उन देशों में रहती हैं, जो स्वास्थ्य देखभाल या शिक्षा पर खर्च करने के बजाय कर्ज की किश्तें चुकाने पर अपना अधिक बजट खर्च करने के लिए मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र वैश्विक संकट कार्रवाई समूह ने 'कर्ज की दुनिया' नाम की यह रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक 52 देश फिलहाल 'गंभीर कर्ज संकट' से गुजर रहे हैं। यह विकासशील दुनिया का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। पिछले वर्ष विभिन्न देशों की सरकारों पर कर्ज 9.2 हजार अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो एक रिकॉर्ड है। इसका 30 फीसदी भार विकासशील देशों पर है। चूंकि यह ऋण संकट ज्यादातर गरीब और विकासशील देशों पर है, इसलिए इस पर अपेक्षित चर्चा नहीं होती। दुनिया के सूचना तंत्र पर धनी पश्चिमी देशों का नियंत्रण है, जिसकी वजह से ये देश विश्व समस्याओं को अपने नजरिए पेश करने में हमेशा सफल रहते हैं। चूंकि ज्यादातर कर्ज पश्चिमी संस्थाओं ने ही दे रखा है, इसलिए इस मुद्दे पर ज्यादा बहस नहीं होती– संभवतः इसलिए भी कि अगर बहस हुई, तो ऋण माफी की मांग जोर पकड़ सकती है।ताजा रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तैयार की है। उसमें कहा गया है कि कोविड महामारी, दैनिक खर्चों में भारी बढ़ोतरी और यूक्रेन में युद्ध ने 2020 के बाद 16.5 करोड़ लोगों को गरीबी में धकेल दिया। अनुमान है कि 2023 के अंत तक 7.5 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में धकेल दिए जाएंगे। इसका अर्थ है कि वे प्रतिदिन 2.15 डॉलर से भी कम खर्च पर जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अन्य 9 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हो जाएंगे, जिनके पास रोजाना खर्च करने के लिए मात्र 3.65 डॉलर तक उपलब्ध होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे गरीब लोग हाल की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। उनकी आय आज भी 2023 में कोरोना काल के पहले वाले स्तर से नीचे है।

विपक्षी गठबंधन का नाम होगा 'इंडिया'

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी गठबंधन का नाम 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) रखा गया है। बेंगलुरु में एकजुट हुए समान विचारधारा वाले 26 राजनीतिक दलों ने इस नाम पर सहमति जताई और अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लिया।

बैठक के बाद कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनिकम टैगोर ने ट्विटर पर कहा, 'इंडिया जीतेगा।' तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, 'चक दे! इंडिया।' शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट में कहा, 2024 टीम इंडिया बनाम टीम एनडीए होगा। चक दे, इंडिया।

विपक्षी दलों की बैठक में यह संकल्प भी लिया गया कि वे देश के सामने एक वैकल्पिक राजनीति का एजेंडा लाएंगे। सभी मिलकर सामाजिक और आर्थिक एजेंडा भी पेश करेंगे। बैठक में यह भी फैसला किया गया कि इस गठबंधन का एक संयोजक होगा। इसमें 11 सदस्यीय समन्वय समिति होगी। आगामी लोकसभा चुनाव प्रचार के प्रबंधन के लिए इसका सचिवालय दिल्ली में होगा।

विपक्षी दलों की बैठक के बाद सभी दल एक मंच पर साथ और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए अपनी-अपनी बात रखी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमारे गठबंधन का नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया)' होगा। सभी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। 'इंडिया' के घटक दलों की अगली बैठक मुंबई में होगी, जहां गठबंधन के संयोजक और समन्वय समिति के सदस्यों का चयन किया जाएगा।

दूसरे दिन की बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस), बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (जनता दल (यू)), तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन (द्रमुक), लालू प्रसाद यादव (राजद), उद्धव ठाकरे (शिवसेना (यूबीटी)), झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा), दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (आम आदमी पार्टी), अखिलेश यादव (समाजवादी पार्टी) और कुछ अन्य नेता इस बैठक में शामिल हुए।

बेंगलुरु में चल रही विपक्ष की बैठक में कुल 26 दल शामिल हुए हैं। इसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (एम), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिव सेना (यूबीटी), राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, सीपीआई (एमएल), राष्ट्रीय लोकदल, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस, केएमडीके, एआईएफबी शामिल है।

ममता बनर्जी ने सवाल किया कि भाजपा और राजग क्या 'इंडिया' को चुनौती दे सकते हैं? उन्होंने दावा किया कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' जीतेगा, भाजपा हारेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम देश को बचाने और नए भारत को बनाने के लिए एकत्र हुए हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ लोगों को लग रहा है कि हम परिवार के लिए लड़ रहे हैं। यह देश हमारा परिवार है और हम देश को बचाने के लिए लड़ रहे हैं।

मोदी सरनेम मानहानि केस: राहुल गांधी की याचिका पर 21 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी । मोदी सरनेम मानहानि केस में दो साल की सजा पाने वाले राहुल गांधी ने गुजरात हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 21 जुलाई को सुनवाई होगी।

बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने गुजरात की अदालत के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया था। लेकिन, हाई कोर्ट ने राहुल गांधी पर मोदी सरनेम मामले में आपराधिक मानहानि केस जारी रखा था। गुजरात हाई कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस अधिकारी ने फंदा लगाकर जान दी

ईटानगर, एजेंसी । अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के कायिंग पुलिस थाना के प्रभारी अधिकारी संजय क्रि ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का कारण अवसाद को बताया है। सियांग जिले के पुलिस अधीक्षक ओपिर पारोन के अनुसार, संजय क्रि को सुबह करीब 09.30 बजे कायिंग पुलिस थाना के स्टोर रूम में नायलॉन की रस्सी से लटका हुआ पाया गया। पारोन ने कहा संजय ने अपनी पत्नी को बताया था कि वह एक अपराध समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए सियांग जिले के मुख्यालय बोलेंग जा रहा है, लेकिन इसके बजाय वह पुलिस स्टेशन गया जहां उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि घटना सुबह 7.30 से आठ बजे के बीच हुई होगी क्योंकि इसे सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि अधिकारी का शव उनके पीएसओ और ड्राइवर को मिला, जो बोलेंग जाने के लिए उनकी तलाश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक स्थान लोहित जिले के तेजू भेज दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दत्तात्रेय को सम्मानित किया

हैदराबाद/नयी दिल्ली, एजेंसी । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नयी दिल्ली में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) की वार्षिक आम सभा की बैठक के दौरान हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

यह पुरस्कार देश में 2021-22 के दौरान ओडिशा के बाद सबसे अधिक सदस्य बनाने और धन उत्पन्न करने वाली आईआरसीएस की हरियाणा इकाई की मान्यता में दिया गया। राष्ट्रपति आईआरसीएस की अध्यक्ष हैं। दत्तात्रेय आईआरसीएस की हरियाणा राज्य शाखा के अध्यक्ष है। इस अवसर पर हरियाणा राज्य शाखा के आईआरसीएस महासचिव डा मुकेश अग्रवाल भी उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री का फिर विवादित बयान, अब बोले- जाति व्यवस्था पुरखों की गलती की देन

मधुबनी एजेंसी । बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर ने एक बार फिर हिंदू धार्मिक ग्रंथों को लेकर समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया के बयानों को उद्धृत करते हुए विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ग्रंथों में कई चीजें सीखने और अनुकरण करने की है। लेकिन, कुछ कचरा भी है।उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 56 प्रकार का भोग लगाकर कोई गाली दे दे तो। राम मनोहर लोहिया भी कहा करते थे कि धार्मिक ग्रंथों में कई चीजें सीखने और अनुकरण करने की है।

पाकिस्तान सरकार नागरिकों पर सैन्य मुकदमा चलाने के पक्ष में

इस्लामाबाद, एजेंसी । पाकिस्तान सरकार ने सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी इमारतों को निशाना बनाकर की गई हिंसा और बर्बरता की घटनाओं में शामिल नागरिकों पर सैन्य मुकदमा चलाने के अपने फैसले का बचाव करते हुए इसे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा हमला बताया है।सरकार की तरफ से पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सेना के खिलाफ हिंसा और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा हमला था, इसलिए यह देश की सुरक्षा, हितों तथा रक्षा के लिए हानिकारक था। इस वजह से सीक्रेट सर्विस एक्ट और पाकिस्तान सेना अधिनियम के तहत सैन्य अदालतों में दोषियों पर मुकदमा चलाने का निर्णय लिया गया।

सरकार ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर अवान के माध्यम से कहा, ऐसे हमलों के संबंध में डर पैदा करने के लिए, हमारा संवैधानिक ढांचा ऐसी बर्बरता और हिंसा के अपराधियों पर सेना अधिनियम 1952 के प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति देता है।

सरकार ने 9 मई की हिंसा को आतंकवाद से संबंधित घटनाओं और शकील अफरीदी और कुलभूषण यादव से जुड़ी अतीत की घटनाओं से भी जोड़ा। सरकार ने इस बात पर जोर देते हुए कि हाल की घटनाएं पाकिस्तान के सशस्त्र बलों और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने के उद्देश्य से देश में अस्थिरता फैलाने में विदेशी शक्तियों की भागीदारी को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

ओमन चांडी के निधन पर खडगे व प्रियंका ने जताया शोक

नई दिल्ली एजेंसी । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह जन नेता थे और उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने केरल की प्रगति और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी।

एक ट्वीट में, खडगे ने कहा, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और एक कट्टर कांग्रेसी नेता ओमन चांडी को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि, जो जनता के नेता के रूप में खड़े थे। उनकी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व ने केरल की प्रगति व देश के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्हें लोगों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा, उनके परिवार और समर्थकों के प्रति हार्दिक संवेदना।

उन्हें पार्टी के एक स्तंभ के रूप में याद करते हुए, जिन्होंने अपना जीवन सेवा के लिए समर्पित कर दिया, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ओम्मेन चांडी के परिवार के प्रति गहरी संवेदना। वह कांग्रेस पार्टी के एक स्तंभ थे, एक ऐसे नेता जिन्होंने अपना जीवन सेवा के लिए समर्पित कर दिया और उन मूल्यों के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध थे, जिनके लिए हम आज लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम सभी उन्हें बहुत सम्मान के साथ याद करेंगे और उनकी बुद्धिमान सलाह को याद करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी पार्टी के वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक असाधारण व्यक्तित्व और वास्तव में जन नेता बताया। उन्होंने कहा,वह सादगीपूर्ण और अचूक शिष्टाचार के व्यक्ति थे। वह अपने मतदाताओं और केरल के लोगों के कल्याण के लिए अपना सब कुछ दे रहे थे।

भोपाल एयरपोर्ट पर सोनिया और राहुल गांधी के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल, एजेंसी। भोपाल एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई है। बता दें कि आज बेंगलुरु में संयुक्त विपक्ष की बैठक का आयोजन किया गया। दोनों इस बैठक में शिरकत करने के बाद वापस दिल्ली लौट रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, खराब मौसम के चलते उनके विमान की यह आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद वे दिल्ली रवाना होंगे।

सिरोंज में तीन साल की अस्मिता को बोरवेल से निकाला बाहर, बच्ची का इलाज जारी

विदिशा, एजेंसी। विदिशा में मंगलवार को तीन साल की बच्ची अस्मिता घर में बने 20 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई थी। प्रशासन मौके पर पहुंचकर बच्ची को सुरक्षित निकालने के प्रयास में जुटा रहा। विदिशा के एसपी दीपक शुक्ला ने बताया, बोरवेल में गिरी अस्मिता का रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। बचाव टीम बच्ची को एंबुलेंस से सिरोंज अस्पताल ले गई है। डॉक्टर की टीम बच्ची की जांच कर रही है।

बता दें कि मामला सिरोंज एरिया में पथरिया थाना के कजारिया बरखेड़ा गांव का है। यहां तीन साल की बच्ची खेलते-खेलते बोरवेल के पास चली गई थी। बोरवेल खुला हुआ था, जिसके कारण बच्ची का पैर फिसला और वह सीधे 20 फीट गहरे पानी में गिर गई। बच्ची के साथ खेल रहे अन्य बच्चों ने इस बात की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजनों ने तुरंत ही पुलिस-प्रशासन को बुलाया।

बच्ची के पिता इंदर सिंह अहरवार ने बताया, अस्मिता घर के आंगन में खेल रही थी। आंगन में ही बोरवेल है। सुबह 10 बजे के आसपास बच्ची खेलते हुए बोरवेल में गिर गई, जिसके बाद हमने तुरंत ही बच्ची के गिरने की जानकारी प्रशासन को दी थी।

घटना की खबर लगते ही सिरोंज एसडीएम हर्षल चौधरी और कुरवाई एसडीएम अंजली शाह ने मोर्चा संभाले रखा था।

परिजनों की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन ने बच्ची के रेस्क्यू का काम शुरू किया। बच्ची 13 फीट की डेप्ट पर अटकी रही। उसके समानंतर 16 फीट तक खउ के माध्यम से खुदाई की गई। बच्ची का थोड़ी देर पहले तक मूवमेंट था। बच्ची को बचाने के लिए चार ऑक्सीजन सिलेंडर लगाए गए।

बीते महीने सात जून को सीहोर के बड़ी मुंगावली में खुले बोरवेल में सृष्टि नाम की एक बच्ची 300 फीट गहरे बोरवेल में खेलते हुए गिर गई थी। करीब 55 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी बच्ची को नहीं बचाया जा सका था। वहीं, इस हादसे के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशभर में खुले बोरवेल को बंद करने के निर्देश दिए थे, लेकिन घटना के 30 दिन से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद अब भी लगातार प्रदेश में बच्चों के बोरवेल में गिरने के मामले सामने आ रहे हैं।

बता दें, इस साल 2023 में विदिशा जिले में खुले बोरवेल में गिरने का यह दूसरा मामला है, इससे पहले भी 14 मार्च 2023 को बोरवेल में सात साल का लोकेश गिर गया था। यह मामला विदिशा जिले के आनंदपुर थाना अंतर्गत ग्राम खैरखेड़ी में हुआ था। तमाम कोशिशों के बाद भी लोकेश को नही बचाया जा सका था।

सीमा हैदर की गतिविधियों पर गहराता जा रहा संदेह

एटीएस ने दूसरे दिन भी की पूछताछ, सामने आई ये नई जानकारी

लखनऊ , एजेंसी। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर की गतिविधियों पर जांच एजेंसियों का संदेह गहराता जा रहा है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ का एजेंट होने का शक है। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की नोएडा यूनिट ने मंगलवार को दूसरे दिन भी सीमा व उसके पति सचिन मीणा को बुलाकर लंबी पूछताछ की।

सूत्रों का कहना है कि सीमा ने नेपाल से सीतामढ़ी (बिहार) के रास्ते भारत में घुसपैठ करने की बात स्वीकार की है। केंद्रीय जांच एजेंसियां भी इसे लेकर छानबीन कर रही हैं। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी से भी पाकिस्तानी महिला की घुसपैठ को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। एटीएस ने सीमा हैदर की इंटरनेट मीडिया पर रही गतिविधियों को लेकर पड़ताल तेज की है। विशेषकर यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत से आने से पहले वह किन-किन लोगों के अधिक संपर्क में थी और उसे किससे आर्थिक सहयोग मिल रहा था।

एटीएस ने सोमवार को भी सीमा व उसके पति सचिन से लंबी पूछताछ की थी। बाद में दोनों को छोड़ दिया गया था। मंगवार को उन्हें बुलाकर फिर नए सिरे से सवाल-जवाब किए गए। इस दौरान आइबी के अधिकारी भी मौजूद रहे। सचिन के पिता से भी कई बिंदुओं पर पूछताछ की गई। सचिन के संपर्कों को भी खंगाला जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि सीमा ने उसके पिता व भाई के पाकिस्तानी सेना में होने की बात से इनकार किया है। कहा कि उसका भाई पाकिस्तान सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसियां इस तथ्य की भी पड़ताल कर रही हैं। पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर की इंटरनेट मीडिया के जरिए नोएडा निवासी सचिन से दोस्ती हुई थी। पबजी गेम के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई थी और उसके बाद उनके बीच नजदीकियां बढ़ती गईं। सीमा पाकिस्तान से दुबई गई थी। जहां से नेपाल आकर उसने सचिन से शादी कर ली थीं।

सीमा का पति गुलाम हैदर दुबई में नौकरी करता है और उसके चार बच्चे हैं। नेपाल से पाकिस्तानी महिला के अपने बच्चों के साथ नोएडा तक पहुंचने की सिलसिलेवार जांच की जा रही है। हालांकि, इसे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कुछ बोलने से बच रहे हैं।

भोपाल एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल गांधी के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई है। बता दें कि आज बेंगलुरु में संयुक्त विपक्ष की बैठक का आयोजन किया गया। दोनों इस बैठक में शिरकत करने के बाद लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक खराब मौसम के चलते उनके विमान की यह आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद वे दिल्ली रवाना होंगे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी को कारावास की सजा

मुरैना, एजेंसी । मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की एक विशेष अदालत ने अपहरण के बाद एक नाबालिग किशोरी से दुष्कृत्य के आरोपी को दोषी ठहराते हुए बीस वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया सेल प्रभारी (अभिजोजन) रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 26 मार्च 2021 को पीड़िता के पिता ने पोरसा थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी थी की कि बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। साथ में बेटी घर से सोने-चांदी के जेवर और सात हजार रुपये की नगदी भी ले गई है।पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपी युवक नीरज तनक बाल्मीक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पीड़िता को बरामद कर उसके परिजनो को सुपुर्द कर दिया। पीड़िता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि आरोपी नीरज ने दोस्ती की और शादी करने का झांसा देकर जयपुर ले गया ।

गडकरी धमकी मामला : आईआईएससी आतंकी हमले का दोषी पाशा पहले भी दो बार नागपुर आया

नागपुर एजेंसी । बेंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), में आतंकवादी हमले का दोषी अफसर पाशा पहले भी दो बार महाराष्ट्र के नागपुर शहर में आया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पाशा को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को की गई धमकी और जबरन वसूली कॉल में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि पाशा ने दो बार नागपुर का दौरा किया था, एक बार 2003 में और फिर 2004 में। हालाँकि, शहर में उनके प्रवास का विवरण अभी तक प्रमाणित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि आशंका जताई जा रही है कि जयेश पुजारी ने अफसर पाशा के साथ योजना बनाकर नितिन गडकरी के कार्यालय में फोन किया था। पाशा को कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार शाम नागपुर लाया गया।

उल्लेखनीय है कि जयेश पुजारी ने 14 जनवरी को गडकरी के कार्यालय में धमकी भरा फोन कर 100 करोड़ रुपये की मांग की थी और खुद को दाउद इब्राहिम गिरोह का सदस्य होने का दावा किया था। उस समय वह बेलगावी जेल में बंद था। उसने 21 मार्च को एक और फोन किया और धमकी दी कि अगर 10 करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो वह गडकरी को नुकसान पहुंचाएगा। पुजारी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और इस साल 28 मार्च को बेलगावी की एक जेल से नागपुर लाया गया और उसके खिलाफ नागपुर के धंतोली पुलिस स्टेशन में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दो मामले दर्ज किए गए।

यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण को राहत, कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत, अगली सुनवाई 20 जुलाई को

नई दिल्ली , एजेंसी । बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के मामले में अंतरिम जमानत मिल गई है। दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट ने यौन उत्पीड़न केस में आरोपी बृजभूषण सिंह को अंतरिम जमानत दे दी है। बृजभूषण पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने इस केस में अपनी चार्जशीट दायर की थी।

कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई के लिए 20 जुलाई की तारीख तय की है, तब तक के लिए वह बेल पर रहेंगे। बृजभूषण शरण सिंह का पक्ष रखते हुए वकील ने कहा कि जब चार्जशीट दाखिल करने तक उनको गिरफ्तार नहीं किया गया है तो इसका मतलब कि उनके खिलाफ ऐसे कोई सबूत या दावे नहीं हैं। ऐसे में उन्हें अंतरिम बेल मिल जानी चाहिए। अब 20 जुलाई को कोर्ट नियमित बेल पर सुनवाई करेगा। उसका फैसला आने तक वह अंतरिम जमानत पर रहेंगे।बृजभूषण शरण सिंह के साथ ही उनके करीबी और कुश्ती महासंघ के अधिकारी रहे विनोद तोमर को भी अंतरिम जमानत मिल गई है।

आतंक के खिलाफ सुरक्षाबलों का बड़ा प्रहार

जम्मू, एजेंसी । जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों को मंगलवार की सुबह ही बड़ी कामयाबी मिली है।

सोमवार देर रात से चल रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच ये मुठभेड़ पुंछ के सिंधरा इलाके में हुई।

बता दे कि सुरक्षाबलों को सोमवार शाम को सिंधरा इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने यहां सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

17वें दिन 20,000 से अधिक लोगों ने की अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर , एजेंसी । अमरनाथ यात्रा के 17वें दिन 20,000 से अधिक लोगों ने यात्रा की, जबकि 6,225 यात्रियों का एक और जत्था मंगलवार को जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि इस साल की अमरनाथ यात्रा एक जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 2.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री यात्रा कर चुके हैं।

6,225 यात्रियों का एक और जत्था एक सुरक्षा काफिले में आज सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, इनमें से 2,511 उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं जबकि 3,714 पहलगाम बेस कैंप जा रहे हैं।

इस बीच सोमवार को तीन तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जिससे वर्तमान यात्रा के दौरान मरने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 30 हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जिन तीन लोगों की मौत हुई, उनमें से एक उत्तर प्रदेश, दूसरा राजस्थान और तीसरा मध्य प्रदेश का था।

जहां दो की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, वहीं तीसरे तीर्थयात्री की मौत के सही कारण का अभी भी पता लगाया जा रहा है।

यात्री या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से हिमालय गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं, जिसमें पहलगाम बेस कैंप से 43 किलोमीटर की चढ़ाई होती है या उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप से 13 किलोमीटर की चढ़ाई होती है।

पारंपरिक पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊपर स्थित गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में लौट आते हैं।

दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

गुफा मंदिर में एक बर्फ की संरचना है जिसके बारे में भक्तों का मानना है कि यह भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

तीर्थयात्रियों को ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए, अधिकारियों ने यात्रा के दोनों मार्गों पर स्थापित किए गए मुफ्त सामुदायिक रसोई, जिन्हें 'लंगर' कहा जाता है, में सभी जंक फूड पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मैं बाहर जाता हूं तो मुसीबत खड़ी हो जाती है : पृथ्वी शॉ

नई दिल्ली ,। भारत के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने कहा है कि उन्होंने अकेले रहना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी वो बाहर निकलते हैं तो लोग उन्हें परेशान करते हैं और एक मुसीबत खड़ी हो जाती है।उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्हें भारतीय टीम से बाहर किया गया तो उन्हें निराशा हुई लेकिन उन्होंने आगे बढऩे का फैसला किया।

शॉ का शीर्ष पर पहुंचना आसान था। उन्होंने कप्तान के रूप में अंडर-19 विश्व कप जीता और टेस्ट शतक के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। हालांकि, इस तरह के प्रदर्शनों के बावजूद वह राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की नहीं कर पाए।

2018 में टेस्ट डेब्यू करने के बावजूद उन्होंने पिछले दो वर्षों में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके लिए आईपीएल 2023 भी निराशाजनक रहा, जहां वह आठ मैचों में 13.25 के औसत से सिर्फ 106 रन बना सके। जब मुझे (भारतीय टीम से) बाहर किया गया, तो मुझे इसका कारण पता नहीं चला। कोई कह रहा था कि यह फिटनेस हो सकता है। लेकिन निश्चित रूप से मैं यहां (बेंगलुरु) आया और एनसीए में सभी परीक्षण पास कर लिए। रन बनाए और फिर से टी20 टीम में वापसी की। लेकिन वेस्टइंडीज में दोबारा मौका नहीं मिला। मैं निराश हूं लेकिन बस आगे बढऩा है।उन्होंने कहा कि वह अपने में ही सिमट कर रहना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह अपने विचार साझा करने से डरते हैं क्योंकि यह सब सोशल मीडिया पर आ जाता है। शॉ ने कहा, एक व्यक्ति के रूप में, मैं बस अपने आप में रहना पसंद करता हूं। लोग मेरे बारे में बहुत सी बातें कहते हैं। लेकिन जो लोग मुझे जानते हैं, वे ये भी जानते हैं कि मैं कैसा हूं। मेरे पास दोस्त नहीं हैं, मुझे दोस्त बनाना पसंद नहीं है। मैं अपने विचार साझा करने से डरता हूं। किसी न किसी तरह यह सब सोशल मीडिया पर आ जाता है। मेरे बहुत कम दोस्त हैं, कुछ दोस्त हैं, और उनके साथ भी मैं सब कुछ साझा नहीं करता, केवल कुछ चीजें ही साझा करता हूं। अगर मैं बाहर जाऊंगा, तो लोग परेशान करेंगे। वे सोशल मीडिया पर कुछ डाल देंगे, इसलिए मैं इन दिनों बाहर निकलना पसंद नहीं करता हूं। मैं जहां भी जाता हूं, मुश्किल खड़ी हो जाती है। मैंने बाहर निकलना बिल्कुल बंद कर दिया है। इन दिनों, मैंने यहां तक कि लंच और डिनर के लिए भी अकेले जा रहा हूं। अब मुझे अकेले रहना अच्छा लगने लगा है। शॉ इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के शेष सत्र के लिए नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अगस्त में शुरू होने वाले रॉयल लंदन वन-डे कप का भी हिस्सा होंगे।

अधर में लटके कॉमनवेल्थ गेम्स, विक्टोरिया ने आयोजन करने से किया इन्कार

नई दिल्ली ,। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में होना है। लेकिन अब वहां की सरकार ने गेम्स के आयोजन से ही इनकार कर दिया है। विक्टोरिया के पीएम डैन एंड्रयूज़ ने ऐलान किया कि वो कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी से नाम वापस ले रहे हैं। इस कारण कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन को बड़ा झटका लगा है। उसने कहा है कि हम जल्दी ही इसका हल खोजेंगे।

इससे पहले फेडरेशन को आयोजक खोजने में परेशानी उठानी पड़ी थी और अप्रैल 2022 में विक्टोरिया को इसकी मेजबानी सौंपी गई थी। विक्टोरिया के प्रमुख डेनियल एंड्रूज ने बताया कि पहले गेम्स का बजट लगभग 15 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 34 हजार करोड़ रुपये हो गया है।

डेनियल एंड्रूज ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कई कठिन परिस्थितियों से गुजरा हूं, लेकिन यह अलग तरह की परेशानी है। साफतौर पर हम गेम्स के आयोजन के लिए 34 हजार करोड़ रुपये नहीं खर्च करने जा रहे।

पुरुष इमर्जिंग एशिया कप 2023 में भारत ए का सामना पाकिस्तान ए से होगा

नई दिल्ली ,। बेहद रोमांचक एसीसी मेन्स इमर्जिंग एशिया कप 2023 में भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए से होगा, जो एक रोमांचक मुकाबला होने का वादा करता है और क्रिकेट में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता की लौ को फिर से जगाएगा।

इंडिया ए का नेतृत्व होनहार युवाओं के एक समूह द्वारा किया जाएगा जो पहले ही घरेलू मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर चुके हैं। यश ढुल, ध्रुव जुरेल, साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी अपने शानदार आईपीएल सीजऩ के बाद एक स्थायी छाप छोडऩा चाहेंगे और सीनियर राष्ट्रीय टीम में अपना रास्ता बनाना चाहेंगे।

इस मैच में उनका प्रदर्शन उनकी संभावनाएं निर्धारित कर सकता है और भारत की समृद्ध क्रिकेट विरासत में योगदान दे सकता है।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता खेल में सबसे तीव्र और ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता में से एक होने के कारण, यह मैच विशेष महत्व रखता है। यह न केवल उभरती प्रतिभाओं को चमकने का मौका देता है, बल्कि महानतम प्रतिद्वंद्विता के शानदार इतिहास में एक और अध्याय जोडऩे का भी अवसर देता है।

भारत ए और पाकिस्तान ए के बीच मुकाबला सिर्फ व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में नहीं है बल्कि इस प्रतिद्वंद्विता के ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी है। दोनों टीमें इस साल दो प्रमुख टूर्नामेंटों, अर्थात् एशिया कप 2023 और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में एक-दूसरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। इसलिए, यह मैच भविष्य में होने वाले उच्च दांव वाले मुकाबलों के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है और प्रशंसकों को पता है कि क्या होने वाला है।

दो क्रिकेट शक्तियों के बीच यह टकराव प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है क्योंकि वे दोनों देशों की अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को आमने-सामने होते देखेंगे।

भारत भर के प्रशंसक 19 जुलाई, दोपहर 2 बजे से विशेष रूप से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सभी लाइव एक्शन देख सकते हैं।

प्रो लीग 2023-2024 : न्यूजीलैंड की जगह लेगा यूएसए

लुसाने ,। न्यूजीलैंड की महिला टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अगले सीजन में भाग नहीं लेगी। यह हॉकी न्यूज़ीलैंड द्वारा खेल के मैदान पर रेलीगेशन से बचने के बावजूद प्रतियोगिता से हटने के निर्णय के बाद आया है।

हालांकि, न्यूजीलैंड की हॉकी की शासी निकाय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि टीम 2024 के बाद हॉकी प्रो लीग में फिर से शामिल होने की कोशिश करेगी। इसे हासिल करने के लिए, ब्लैक स्टिक्स को हॉकी नेशंस कप जीतने की आवश्यकता होगी, जो हॉकी प्रो लीग के लिए योग्यता पथ है।

न्यूजीलैंड के हटने के परिणामस्वरूप, संयुक्त राज्य अमेरिका, जो हाल ही में संपन्न सीजऩ में अंतिम स्थान पर रहा था, आगामी सीजऩ के लिए भाग लेने वाले देशों में अपना स्थान बनाए रखेगा।

हॉकी न्यूजीलैंड के सीईओ एंथनी ऋमी ने कहा, लीग में भाग लेने वाले संस्थापक देश के रूप में, यह हमारे लिए एक कठिन निर्णय था, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए सही निर्णय है कि हम अपने कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण कार्यऋम ओलंपिक खेल के लिए अर्हता प्राप्त करने और तैयारी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। कोविड के बाद के माहौल में यात्रा की लागत दोगुनी हो गई है, और व्यस्त 2024 में सीजऩ 5 के आयोजनों के समय के साथ यात्रा की मात्रा का मतलब है कि ओलंपिक के लिए चलीफाई करने और पर्याप्त रूप से तैयारी करने के दौरान प्रो लीग में भाग लेना संभव नहीं है।

यूएसए फील्ड हॉकी के कार्यकारी निदेशक साइमन होस्किन्स ने कहाः हमें न्यूजीलैंड की महिलाओं के हटने के बारे में जानकर दुख हुआ। यूएसए के लिए, हम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बने रहने के अवसर के लिए उत्साहित हैं। हमारी युवा और बेहतर टीम इस पर नजर रखेगी ताकि हम सीजऩ 5 में अपनी छाप छोड़ें ।एफआईएच शीघ्र ही 2023-2024 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजऩ के लिए अंतिम मैच कार्यऋम की घोषणा करेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अश्विन ने क्रीज का अच्छा इस्तेमाल किया : कुंबले

नई दिल्ली ,। डोमिनिका में पहले टेस्ट में अपनी चालाकी और स्पिन (12-131) से वेस्टइंडीज को छकाने के बाद, ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 8वीं बार दस विकेट लेने का कारनामा किया और अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से मैच में सबसे ज्यादा दस विकेट लेने वाले भारतीय बन गए। वह टेस्ट में कुंबले के एक पारी में पांच विकेट लेने के 35 बार के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम पीछे हैं। नवोदित यशस्वी जयसवाल (171 रन) के शतक ने भारत को तीसरी शाम तक मैच समाप्त करने में सक्षम बनाया। टेस्ट में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज और जियोसिनेमा विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने ऑफ स्पिनर के बड़े प्रयास की सराहना की, जो वेस्टइंडीज में किसी भी भारतीय के लिए सर्वश्रेष्ठ है। कुंबले ने कहा, अश्विन बल्लेबाजों के दिमाग से खेलते हैं। यह सिर्फ आपके पास मौजूद कौशल के बारे में नहीं है। यह बल्लेबाज पर दबाव स्थानांतरित करने की क्षमता भी है जिसे आप आर अश्विन का सामना करने वाले हर बल्लेबाज में देख सकते हैं, आप इसे उनकी शारीरिक भाषा में देख सकते हैं। कुंबले ने यह भी देखा कि घरेलू टीम के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन ने क्रीज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, खासकर जिस तरह से उन्होंने सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल को आउट किया। उन्होंने कहा, उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज के पास आते हुए क्रीज से बाहर वाइड गेंदबाजी की। एक बार बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सोचा कि गेंदें अंदर आएंगी, तभी अश्विन ने चंद्रपॉल को वह खूबसूरत गेंद फेंकी जो थोड़ी सी घूमी और उन्हें छोडक़र ऑफ स्टंप ले गई। भारत के पूर्व कप्तान और कोच ने अश्विन की पिच को पढऩे और उसके अनुसार गेंदबाजी करने की क्षमता की भी प्रशंसा की।

फिल्मी सफर

साजिद नाडियाडवाला लिख चुके किक 2 की कहानी, सलमान के साथ जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

सलमान खान की सुपरहिट फिल्म किक के सीक्वल किक 2 का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब अटकलें लगाई जा चुकी हैं। कभी इससे किसी कलाकार का नाम जुड़ता है तो कभी खबर आती है कि यह ठंडे बस्ते में डाल दी गई है। हाल ही में इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने सीक्वल से जुड़ीं अहम जानकारियां दीं।साजिद ने कहा, किक मेरे दिल के बेहद करीब है, क्योंकि इसी के जरिए मैंने खुद को एक निर्देशक के रूप में इंडस्ट्री में स्थापित किया था। यह पहली फिल्म थी, जो मैंने निर्देशित की थी। उन्होंने कहा, जैसे ही मैं किक के बारे में बोलता हूं, मुझे बॉलीवुड से जुड़े लोगों के मैसेज आने लगते हैं और यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी सवालों की झड़ी लग जाती है कि किक 2 कब शुरू होगी।

साजिद ने आगे कहा, अब मैं वादा करता हूं कि किक का विस्तार जरूर होगा। कहानी लिखी जा चुकी है। बस इसकी रिलीज के लिए बेहतर समय चाहिए। उन्होंने कहा, एक बार फिर सबकुछ सामान्य हो जाने दीजिए, किक 2 की शूटिंग शुरू हो जाएगी। कोरोना काल के बाद सिनेमाघरों का हाल ठीक नहीं रहा, इसलिए हमें इतनी शानदार फिल्म बनानी होगी कि दर्शक सिनेमाघरों का रुख करने पर मजबूर हो जाएं। बस हमें उस सही समय का इंतजार है।

साजिद बातचीत में आगे बोले, सलमान फिल्म की कहानी सुन चुके हैं। बस आपके प्यार और समर्थन की जरूरत है ताकि हमें इस दिशा में अगला कदम बढ़ा सके। हमें दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देना होगा। हमें न केवल उनके पैसे, बल्कि उनके समय को भी अहमियत देनी होगी और इसके लिए हमें बहुत कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, दर्शक ठीक-ठाक या अच्छी कहानी के लिए नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ कंटेंट के लिए सिनेमाघर आएंगे।

किक 2014 में रिलीज हुई थी। इसमें डेविल के किरदार में नजर आए सलमान को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। 140 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 402 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म में सलमान के साथ जैकलीन फर्नांडिस की जोड़ी बनी थी। उनके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी, रणदीप हुड्डा, मिथुन चक्रवर्ती, संजय मिश्रा, सौरभ शुक्ला, सुनील पाल, रजित कपूर भी फिल्म में अहम भूमिका में थे।

नानी 30 से मृणाल ठाकुर का फर्स्ट लुक रिवील, पारंपरिक साड़ी में बेहद खूबसूरत आईं नजर

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की अपकमिंग तेलुगु फिल्म नानी-30 का पहला लुक सोमवार को जारी किया गया, जिसमें वह पारंपरिक दक्षिण भारतीय साड़ी में खूबसूरत लग रही हैं।

मृणाल द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस पारंपरिक पर्पल कलर की साड़ी में दिखाई दे रही हैं।

एक्ट्रेस शांत समुद्र तट पर अपनी खिलखिलाती हंसी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। मृणाल के फर्स्ट लुक ने फैंस के दिलों में नानी-30 के लिए और उत्सुकता भर दी है।

एक्ट्रेस, जिन्हें वर्तमान में उनकी स्ट्रीमिंग एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 के लिए काफी पॉजिटिव रिएक्शन मिल रहे है, ने पहले दुलकर सलमान के साथ थियेट्रिकल फिल्म सीता रामम के साथ तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की थी।

राजकुमार राव की पूरी हुई तमन्ना, मिला भगत सिंह बनने का मौका

राजकुमार राव बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने अपने दम पर दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई है। वह कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का परिचय दे चुके हैं। राजकुमार ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं और अब उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह बनने का अवसर भी मिल गया है, जिसे निभाना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। आइए जानते हैं क्या जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार जल्द ही भगत सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे। वह इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं और जल्द से जल्द देशभक्त का किरदार पर्दे पर उतारना चाहते हैं। हालांकि, अभी यह प्रोजेक्ट शुरुआती चरण में है क्योंकि लेखकों की टीम सिंह के जीवन से जुड़े तथ्यों और पहलुओं पर शोध कर रही है। राजकुमार भी लेखकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके दिल के बेहद करीब है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इसे उसी हिसाब से बनाया जा रहा है। टीम इसके लिए ऐसा कंटेंट खंगालने की कोशिश कर रही है, जो इससे पहले कभी दर्शकों के लिए नहीं परोसा गया। फिलहाल यह तय नहीं है कि इसे फिल्म की शक्ल दी जाएगी या वेब सीरीज की। अभी कहानी को लेकर शोध चल रही है। इसे तैयार होने में अभी लगभग 6 से 8 महीने लगेंगे। राजकुमार ने 2012 में फिल्म शाहिद में वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी का जीवन पर्दे पर उतारा था और अपने दमदार अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

हर साल सिर्फ 2 ही फिल्में करूंगीः सोनम कपूर

मैटरनिटी ब्रेक से लौटी बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर आहूजा ने कहा है कि वह फिल्मों को लेकर बहुत सेलेक्टिव रहेंगी और हर साल दो ही प्रोजेक्ट करेगी।

एक्ट्रेस अपने परिवार के साथ चलिटी टाइम बिताना चाहती हैं और साल में दो फिल्में करने से वह बेहतर तरीके से टाइम को मैनेज कर सकती हैं।`उसी के बारे में बात करते हुए, सोनम ने कहा, मैंने दो साल की छुट्टी ले ली क्योंकि मैं प्रेग्नेंट थी और फिर अपने बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहती थी। अभी दो साल पूरे नहीं हुए हैं और मैंने दो प्रोजेक्ट पर साइन किए हैं, एक शो और एक फिल्म, जिस पर मैं काम करना शुरू करूंगी। यह अगले साल रिलीज होगी, क्योंकि फिल्में इसी तरह चलती हैं। फिर मेरा आइडिया हर साल दो कंटेंट बनाने का है, बस इतना ही, इससे ज्यादा नहीं क्योंकि मैं अपने परिवार के साथ भी समय बिताना चाहती हूं।

एक्ट्रेस, जो जल्द ही स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट ब्लाइंड में लीड रोल में नजर आएंगी, को हाल ही में भारत और विश्व स्तर पर सांस्कृतिक प्रभाव का प्रतिनिधित्व करने के लिए 10 डाउनिंग स्ट्रीट में ब्रिटिश प्रधानमंत्री के स्वागत समारोह में आमंत्रित किया गया था। एक्ट्रेस को यह भी लगता है कि भारत इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ रहा है क्योंकि भारतीय हस्तियों के पास जबरदस्त सॉफ्ट पावर है।

मीत में टॉम-बॉय लुक छोड़ आशी सिंह बनी दुल्हन, शो में आएगा नया ट्विस्ट

लोकप्रिय शो ह्यमीतह्न में मीत की बेटी सुमीत की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आशी सिंह इस शो में पूरी तरह दुल्हन का जोड़ा पहनेंगी। शो के दो साल चलने के दौरान, यह पहली बार होगा जब आशी लंबे बालों के साथ एक महिला की पोशाक पहनेंगी। यह शो मीत हुडा की कहानी प्रस्तुत करता है, जो लैंगिक भूमिकाओं के सामाजिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और साबित करती है कि ऐसा कोई काम या जिम्मेदारी नहीं है जो एक महिला नहीं ले सकती। हाल ही में शो में 16 साल के लीप के बाद, दर्शकों ने देखा कि कैसे मीत की बेटी सुमीत (आशी सिंह) हमेशा अपनी मृत मां की तरह बनने की कोशिश कर रही है ताकि वह अपने नाम के अनुरूप जी सके। दर्शकों को कुछ रोमांचक ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें सुमीत की शादी शगुन (आम्रपाली गुप्ता) के बेटे रौनक (विक्रम भाम) से हो रही है।

उसी के बारे में बात करते हुए, आशी ने कहा, यह तीसरी बार है जब मैं शो में दुल्हन के रूप में तैयार हुई हूं। लेकिन, इस बार मैं एक टॉमबॉय दुल्हन नहीं हूं बल्कि सुमीत के व्यक्तित्व के अनुरूप एक स्त्रीवादी दुल्हन हूं। मैं अपना ब्राइडल लुक देखकर बहुत खुश हुई। ह्यऑल गोल्डह्न लहंगा और ज्वलेरी वास्तव में अलग दिखते हैं। शो में लुक वास्तव में सुमीत की सुंदरता और अवसर की भव्यता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, शो के निर्माता और कॉस्ट्यूम डिजाइनर एक शानदार आउटफिट बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मेरा मानना है कि समग्र रूप पुराने ग्लैमर और आधुनिक सोफिस्टिकेशन का मिश्रण है। जहां तक मेरे मेकअप की बात है, यह सॉफ्ट और नेचुरल है, जो सुमीत की चमकदार सुंदरता को बढ़ाता है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com